जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 | वर्षः 29 | संख्याः 263 | प्रभात | अजमेर, गुरुवार 24 अप्रैल, 2025 | आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

भारत ने पाकिस्तान के साथ इंडस वॉटर ट्रीटी को रद्द किया

भारत के विदेश मंत्रालय ने कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्युरिटी की बैठक में हुए इस अहम् फैसले की जानकारी दी

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रैल। भारत ने पाकिस्तान के साथ इंडस वॉटर ट्रीटी (आई.डब्ल्यू.टी.) को तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया है और पाकिस्तान की आतंकी गतिविधियाँ खत्म होने तक यह रोक जारी रहेगी। इसी के साथ कई अन्य कदम भी उठाए गए हैं, जिनमें वाघा-अटारी चैक पोस्ट बंद करने। पाकिस्तानियों का वीसा रद्द करना आदि शामिल है।

- पहलगाम आतंकी हमले के बाद, भारत के सामरिक एवं राजनैतिक हलकों में इंडस वॉटर ट्रीटी रद्द करने की मांग जोर-शोर से उठी थी।
- इस संधि के तहत पूर्वी भाग की रावी व्यास और सतलुज नदियों पर भारत का नियंत्रण है, तो सिंधु, झेलम और चिनाब पर पाकिस्तान का नियंत्रण है।
- पाकिस्तान का अस्तित्व एक तरह से इस संधि पर निर्भर है। पाकिस्तान की कृषि व्यवस्था इसी के सहारे जीवित है।
- गौरतलब है कि 1960 में विश्व बैंक ने भारत व पाकिस्तान के बीच यह संधि करवाई थी और यह दो परस्पर विरोधी पड़ौसी देशों के बीच सहयोग का दुर्लभ उदाहरण मानी जाती रही है। तीन युद्धों व दशकों से पाकिस्तान द्वारा भारत में किए जा रहे आतंकी हमलों के बावजूद यह संधि कायम रही।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले, जिसे कथित रूप से पाकिस्तान के आतंकी गुटों ने अंजाम दिया है, के बाद से भारत के सामरिक एवं राजनैतिक हलकों में फिर से यह बात उठने लगी कि भारत को इंडस वॉटर ट्रीटी को निलम्बित कर देना चाहिए। यह अपील कथित रूप से पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने की है, जो इस समय जवाहर लाल नेहरू युनिवर्सिटी के वाइस चांसलर हैं। उन्होंने कहा, इस तरह से पाकिस्तान को करारा जवाब दिया जा सकता है, जिसके आतंकी हमले में भारत की ही जमीन पर 28 लोग मारे गए है।

वरिष्ठ वकील एवं राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने भी पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और इसे एक सुनियोजित साजिश रच कर किया गया क्रूर कृत्य बताया। उन्होंने भारत सरकार से अंतर्राष्ट्रीय मंच पर यह मुद्दा उठाने और विश्वस्त उत्तरदायित्व तय करने के लिए जोर देने की बात कही।

सिब्बल ने कहा कि पाकिस्तान को औपचारिक रूप से आतंकवादी राष्ट्र घोषित कर देना चाहिए और जिन्होंने ये हत्याएं की है, उन पर अंतर्राष्ट्रीय क्रिमिनल कोर्ट में मुकदमा चलाया जाना चाहिए। आई.डब्ल्यु.टी. पर 1960 में हस्ताक्षर हुए थे और विश्व बैंक ने यह संधि करवाई थी। आई.डब्ल्यु.टी. को दो शत्रु पड़ौसी राष्ट्रों के बीच परस्पर सहयोग की नायाब मिसाल माना जाता है। सवाल यह नहीं है कि संधि को निलम्बित किया जाना चाहिए, बल्कि यह है कि क्या ऐसा करना सार्थक और रणनीतिक रूप से बुद्धिमानी भरा कदम होगा।

तीन बड़े युद्धों और कई दशकों की शत्रुता के बाद भी यह संधि कायम रही, क्योंकि दोनों देश की जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में इसकी अहम भूमिका है। इसके तहत रावी, व्यास और सतलुज जैसे पूर्वी नदियों पर भारत का नियंत्रण है और सिंधु, झेलम और चनाब जैसी पश्चिमी नदियों पर पाकिस्तान का नियंत्रण है, भारत को इन नदियों के पानी के सीमित उपयोग की अनुमति है।

कुछ विशेषज्ञों के अनुसार, अगर भारत ने एक तरफा निर्णय कर इस संधि को खत्म कर दिया तो नियमों का पालन करने वाले कानून परस्त देश के रूप में भारत की छवि को भारी धक्का लगेगा और क्षेत्रीय जल विवाद में गलत मिसाल बनेगी।

कुछ विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि व्यवहारिक दृष्टिकोण से देखें तो आई.डब्ल्यु.टी. को निलम्बित करने से भारत को कोई तत्कालिक लाभ नहीं मिलेगा। पानी रोकने या उसका प्रवाह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जैसलमेर के 32 लोग पहलगाम में फंसे

जैसलमेर, 23 अप्रेल (नि.सं.)। जैसलमेर से कश्मीर वैली गए बड़ी संख्या में सैलानी अपने परिवार के साथ पहलगाम के होटल में फंसे हुए हैं। पहलगाम प्रशासन द्वारा सभी होटल संचालकों को फिलहाल अगले आदेशों तक किसी भी सैलानी को होटल से चेकआउट करने पर अंतरिम रोक लगाई है, इसके कारण ये सैलानी होटल में ही रुकने को मजबूर हैं।

- प्रशासन ने अगले आदेशों तक सभी होटल संचालकों को किसी भी सैलानी को "चैक आउट" नहीं करने देने के लिये कहा है।

जैसलमेर में व्यापार करने वाले विपुल भाटिया पुत्र विमल भाटिया के परिवार के 4 लोगों सहित, उनकी मित्र मंडली के करीब 32 लोग अपने बच्चों सहित पहलगाम के एक होटल में दहशत के साए में हैं। आतंकी हमले के दौरान भी वे पहलगाम में ही थे। अब हमले के बाद से किसी को होटल से चेकआउट नहीं मिल रहा है। अर्पण व हितेश भाटिया के परिवार भी 32 लोगों में शामिल है।

भारत को पाकिस्तान के खिलाफ दुनिया भर से भारी समर्थन मिला

कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्युरिटी की बैठक में पाकिस्तान के खिलाफ कठोर फैसले लिए प्र.मंत्री मोदी ने

- अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। कश्मीर की पहलगाम घाटी में पर्यटकों पर हुए हमले ने पूरे देश को झकझोर दिया है। लेकिन भारत के हाथ कुछ हद तक बंधे हुए हैं, क्योंकि भारत पहले ही कह चुका है कि "यह युद्ध का युग नहीं है। यह कूटनीति और संवाद का युग है।"

- भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क के तहत प्राप्त वीज़ा रियायत रद्द कर दी।
- भारत में मौजूद सभी पाक नागरिकों को 48 घंटे में देश छोड़ने का अल्टीमेटम दिया।
- अटारी वाघा चैक पोस्ट बंद। वैध तरीके से आए लोग एक मई तक लौट सकते हैं।
- पाक उच्चायोग में रक्षा, सैन्य, नौ सेना व वायु सेना सलाहकारों को अवांछित व्यक्ति घोषित किया। एक सप्ताह में देश छोड़ने के आदेश दिए।
- पाक उच्चायोग में अब 50 की बजाय 30 लोग ही रह सकेंगे।

तथापि, अगर भारत कोई सैन्य कार्रवाई करता है, तो आज की तारीख में वैश्विक कूटनीतिक माहौल उसके साथ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने स्पष्ट रुप से भारत का समर्थन किया, यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डर लेयन, रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यहां तक कि, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भी भारत के पक्ष में रुख अपनाया। इज़रायल ने भी भारत के प्रति जोरदार समर्थन व्यक्त किया है। ब्रिटेन और फ्रांस ने भी भारत का समर्थन किया है और पूरी तरह से उसके साथ खड़े हुए हैं।

इस समय पाकिस्तान के खिलाफ सीधी सैन्य कार्रवाई, अब कहीं अधिक अंतर्राष्ट्रीय समर्थन वाले वातावरण में की जा सकती है।

ऐसा प्रतीत होता है कि सत्ता में बैठे लोग यह सोच कर आश्वस्त थे कि कश्मीर और घाटी अब धीरे-धीरे एक सामान्य स्थान बन रही है, जहाँ लोग रोजमर्रा की तरह घूम सकते हैं।

अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद, कश्मीर तेजी से स्थिरता की ओर लौट रहा था और आम जनजीवन ऐसा बनता जा रहा था, जिसे दुनिया के अन्य हिस्सों में "सामान्य" कहा जाता है।

पर्यटन, जो कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, तेजी से बढ़ रहा था और इस वर्ष पर्यटकों के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की संभावना थी। इसका अर्थ था कि आम कश्मीरियों की समृद्धि बढ़ रही थी, आय बढ़ रही थी और अन्य आर्थिक गतिविधियां भी गति पकड़ रही थीं। इस आतंकी हमले ने, सामान्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आतंकवाद के खिलाफ हम सब सरकार के साथ हैं'

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केन्द्रीय सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह करते हुए कहा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रैल। पहलगाम आतंकी हमले को भारत की एकता और अखंडता पर सीधा हमला बताते हुये, कांग्रेस ने बुधवार को केन्द्र सरकार से अनुरोध किया कि इस घटना को लेकर एक सर्वदलीय मीटिंग बुलाई जाये। कांग्रेस ने जोर देते हुये कहा कि यह सामूहिक संकल्प का समय है।

- सूत्रों से पता चला है कि केन्द्र सरकार गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुला सकती है, जिसकी अध्यक्षता केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक के बेंगलुरु में एक प्रैस कॉन्फ्रेंस में कहा, "यह समय पक्षपातपूर्ण राजनीति का नहीं है। यह क्षण उन लोगों के लिये न्याय सुनिश्चित करने के सामूहिक संकल्प का क्षण है। यह क्षण इस आतंकी हमले को अंजाम देने वाले अपराधियों को कटघरे में खड़ा करने का क्षण है ताकि इस हमले में मरने वालों तथा उनके दुखी परिवारों के प्रति न्याय हो सके।

कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि यह भारत पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा, "पूरा राष्ट्र स्तब्ध है। एक पाकिस्तानी आतंकी संगठन ने इसकी जिम्मेदारी ली है। हमें इसका माकूल जवाब देना होगा। हम सब एक हैं और (एकजुट होकर) संघर्ष करेंगे। बिना कुछ किये, बिना समुचित प्रबंध तथा बिना ऊँगली उठाये, कोई दावे नहीं किये जाने चाहिये।"

उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से एक सर्वदलीय मीटिंग बुलाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, "हम सरकार से यह अपेक्षा करते हैं कि पूरी जानकारी प्राप्त होने तथा आवश्यक कार्यवाही करने से पहले सभी राजनैतिक दलों से विचार-विमर्श किया जाये, ताकि सर्वसम्मत भावना के साथ आतंकवाद की चुनौती का सामना किया जा सके। सरकार को सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिये तथा सलाह-मशविरा करना चाहिये। यह राजनीति नहीं है तथा नहीं चाहते कि इस स्थिति में राजनीति हो।

उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2000 के चित्तीसिंहपुरा के नरसंहार के बाद, पहलगाम हमला आतंकियों की निर्लज्ज, नृशंस एवं घृणित कोशिशों में से एक है।

कांग्रेस प्रमुख ने इस हमले के बाद जम्मू-कश्मीर के पर्यटन उद्योग को लगने वाले संभावित धक्के को लेकर भी चिन्ता व्यक्त की। उन्होंने सरकार से प्रभावित होने वाले लोगों की मदद का अनुरोध किया। खड़गे ने कहा, "गर्मी की ऋतु शुरु

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका पूरा सहयोग देगा- उपराष्ट्रपति वैंस

नयी दिल्ली, 23 अप्रैल। भारत की यात्रा पर आये अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से टेलीफोन पर बात की और पहलगाम में हुए नृशंस आतंकवादी हमले की भर्त्सना की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका की ओर से सभी प्रकार के सहयोग की पेशकश की।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां एक्स पर आधिकारिक हेंडल पर अपने संदेश में लिखा, उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने

- वैंस से यह पेशकश प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बातचीत में की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बात की और जम्मू कश्मीर में हुए नृशंस आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने जान-माल के नुकसान पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और दोहराया कि अमेरिका इस कठिन घड़ी में भारत के लोगों के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त लड़ाई में सभी प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।

'कश्मीर पाकिस्तान के गले की नस है', क्या आतंकी हमले का पूर्व संकेत था, पाक जनरल का यह बयान

पाक जनरल के इस बयान के कुछ ही दिन बाद, पहलगाम में भीषण आतंकी हमला हुआ है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रैल। सूत्रों ने कहा कि पहलगाम हत्याओं के जवाब में, सरकार कूटनीतिक तथा सैन्य- दोनों ही विकल्पों पर विचार कर रही है।

- गले की नस (जुगलर वेन) शरीर का वह अंग है, जिसे काटने से तुरंत मौत हो जाती है, तो क्या पाक जनरल यह कहना चाहते थे कि कश्मीर पाकिस्तान के लिए बहुत जरुरी है?
- विशेषज्ञों के अनुसार, इस समय अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस भारत यात्रा पर हैं, ऐसे में आतंकी हमले को अंजाम देकर दुनिया भर में भारत की "मजबूत राष्ट्र" की छवि पर आघात पहुँचाने की कोशिश की जा रही है।

इस समाचार को लिखते समय, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में "कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्यूरिटी अफेयर्स" की मीटिंग चल रही है, जिसमें सभी संभव विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। सऊदी अरब की अपनी यात्रा को बीच में ही छोड़कर, प्रधानमंत्री आज स्वदेश आ गये तथा आने के तुरंत बाद, विभिन्न मीटिंगों में कश्मीर के सुरक्षा-परिदृश्य पर पुनर्विचार किया। गृह मंत्री अमित शाह स्थिति के पुनर्विवेचन के लिये मंगलवार को श्रीनगर चले गये थे। जहाँ संभावित सैन्य विकल्प पर चल रहे विचार-विमर्श के बारे में अधिकारियों ने चुप्पी साध रखी है, वहीं उन्होंने कहा है कि ऐसे मामलों में एनडीए सरकार के रिकॉर्ड को देखते हुए सैन्य कार्यवाही की संभावना को खारिज नहीं किया जा सकता। वर्ष 2016 में उरी में हुये आतंकी हमलों के बाद, सरकार ने पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी, जबकि 2019 में हुये पुलवामा आतंकी हमले के बाद, बालाकोट स्ट्राइक की गई थी।

रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान-स्थित "रैजिस्टैंस फ्रंट", जो प्रतिबंधित पाकिस्तानी लश्कर-ए-तौयबा का शैडो-ग्रुप है, के चार आतंकियों ने पहलगाम में पर्यटकों पर अंधाधुंध फायरिंग की, जिसमें 26 लोग मारे गये। इनमें से दो आतंकी स्थानीय बताये जा रहे हैं।

इस आतंकी हमले से चंदरोज पहले, पाकिस्तान के आर्मी चीफ ने कश्मीर को जग्युलर वन (ग्रीवा शिरा) बताया था, हालाँकि, पाकिस्तान सरकार ने इस घटना में देश के लिप्त होने से इनकार किया है। लेकिन भारत सरकार का निश्चित तौर पर मानना है कि यह हमला लश्कर-ए-तोयबा द्वारा ही कराया गया है।

नैशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी की एक टीम, स्थानीय पुलिस की सहायता के लिये, पहलगाम पहुँच गई है तथा इस हमले में शामिल तीन लोगों के स्कैच तैयार कर लिये गये हैं। यह हमला ऐसे समय पर हुआ है, जब अमेरिकन उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस भारत यात्रा पर आये हुए हैं।

जहाँ अमेरिकन राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने फोन पर प्रधानमंत्री मोदी को संबल और सहानुभूति प्रेषित की है, वहीं बहुत से पश्चिमी देशों के साथ ही, सऊदी अरब ने भारत को समर्थन एवं सहयोग देने की मंशा जाहिर की तथा पहलगाम हमले की निंदा की है। आगामी दिनों में, भारत पी 5 देशों के प्रतिनिधियों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पहलगाम से सैलानियों को वापस लाने के लिये विशेष ट्रेन

नयी दिल्ली, 23 अप्रैल। उत्तर रेलवे ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद सैलानियों की बड़ी संख्या में वापसी के मद्देनजर माता वैष्णो देवी कटरा से नयी दिल्ली के लिए एक विशेष आरक्षित ट्रेन चलाने की घोषणा की है। उत्तर रेलवे ने बुधवार को यहां एक विज्ञिप्त में बताया कि रेलयात्रियों की सुविधा के लिए आज एक विशेष रेलगाड़ी का संचालन किया जा रहा है।

उत्तर रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि ट्रेन सं. 04612 माता वैष्णो देवी कटरा-नयी दिल्ली विशेष आरक्षित रेलगाड़ी आज रात को नौ बज कर 20 मिनट पर रवाना होगी तथा मार्ग में उधमपुर, जम्मू, पठानकोट छावनी, जालंधर छावनी, ढंडारी कलां, अंबाला छावनी, कुरुक्षेत्र और पानीपत ठहरते हुए, गुरुवार को सुबह साढ़े नौ बजे नयी दिल्ली स्टेशन पहुंचेगी।

इस ट्रेन में सात जनरल, आठ स्लीपर और तीन वातानुकूलित श्रेणी के कोच लगाये जाएंगे।

पहलगाम हमले को लेकर सुरक्षा और गुप्तचर एजेंसियों पर सवाल उठे

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। हालिया वर्षों के सबसे घातक हमलों में से एक में, दक्षिण कश्मीर के लोकप्रिय पर्यटन स्थल पहलगाम में मंगलवार को एक आतंकवादी हमले में कई भारतीय और विदेशी पर्यटकों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस घटना से पूरे देश और विश्व में सदमे की लहर दौड़ गई है, और भारत की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था व खुफिया एजेंसियों की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

शीर्ष सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, इस हमले की क्रूरता ने मोदी सरकार को पूरी तरह हिला दिया है, जिसमें परिवार के साथ छुट्टियाँ मना रहे निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया गया। सन् 2019 में केन्द्र शासित प्रदेश बनने के बाद से जम्मू-कश्मीर के प्रशासन का नियंत्रण सीधे केन्द्रीय गृह मंत्रालय के हाथ में है, इसलिए अब इंटैलिजैंस फेलियर और खतरे के पूर्व मूल्यांकन के अभाव को लेकर केन्द्रीय गृह मंत्रालय को कठोर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

सुरक्षा विशेषज्ञ और राजनीतिक विश्लेषक इस नरसंहार की तुलना 2019 के पुलवामा आतंकी हमले से कर रहे हैं, जिसमें अर्धसैनिक बलों के 40 से अधिक जवान मारे गए थे। छह साल बीतने के बावजूद, पुलवामा हमले की कोई विस्तृत जांच रिपोर्ट अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है, जिसके कारण विवाद और अविश्वास लगातार बना हुआ है। विपक्षी नेताओं ने मोदी सरकार पर एक बार फिर वही गलतियाँ दोहराने का आरोप लगाया है, भारी सुरक्षा चूक, प्रतिक्रिया में देरी और पारदर्शिता की कमी।

- विशेषज्ञों ने पूछा, पहलगाम दक्षिण कश्मीर में काफी अंदर है और एलओसी से दूर है, वहाँ तक जाने के लिए डोडा, किश्तवाड़ व बनिहाल को पार करना पड़ता है, जहाँ कड़ी सुरक्षा है, फिर ये आतंकी वहाँ कैसे पहुँचे?
- सूत्रों का कहना है कि हमलावर, ट्रैवल एजेंट व ट्राँसपोर्ट प्रोवाइडर्स के रूप में वहाँ रह रहे थे।
- घटना के बाद, सेना के तलाशी अभियान में मिले हथियारों व अन्य साजो सामान से रक्षा विशेषज्ञ चिंतित हैं कि हथियारों का इतना बड़ा ज़खीरा यहाँ कैसे पहुँचा।

एक वरिष्ठ खुफिया विश्लेषक ने कहा, "यह किसी दूसरे पुलवामा से कम नहीं है। समानताएँ बेहद भयावह हैं। पुलवामा में सैनिकों को निशाना बनाया गया था, जबकि इस बार सीधे निहत्थे नागरिकों को। इसका उद्देश्य स्पष्ट है, डर पैदा करना और क्षेत्र में शांति को अस्थिर करना।"

सूत्रों का मानना है कि यह हमला बहुत ही सुनियोजित था और संभवतः आतंकवादी महीनों से क्षेत्र में रह रहे थे। माना जा रहा है कि हमलावर ट्रैवल एजेंट या ट्रांसपोर्ट प्रोवाइडर्स के रुप में रह रहे थे और पर्यटकों के बीच में आसानी से घुल-मिल गए थे। हमले का पैमाना, और उन्नत आधुनिक हथियार, जिनमें एम 4 कार्बाइन ए.के. 47 राइफलें और अन्य साजो-सामान शामिल हैं, ने रक्षा विशेषज्ञों को चिंतित कर दिया है। इतना बड़ा हथियारों का जखीरा क्षेत्र में कैसे पहुंचा, यह अब तक का सबसे बड़ा सवाल बना हुआ है।

पहलगाम, जो दक्षिण कश्मीर में गहराई में स्थित है, एलओसी (नियंत्रण रेखा) से दूरी के कारण अपेक्षाकृत सुरक्षित क्षेत्र माना जाता है। आतंकवादियों को वहां तक पहुँचने के लिए डोडा, किश्तवाड़ और बनिहाल जैसे क्षेत्रों से होकर गुजरना पड़ा होगा, जो भारतीय सुरक्षा बलों की सख्त निगरानी में हैं। इससे ये चिंताएं बढ़ जाती हैं कि आतंकवादियों को स्थानीय सहयोग प्राप्त था और उन्होंने व्यापक लॉजिस्टिक प्लानिंग कर रखी थी।

सेवानिवृत सैन्य अधिकारियों ने, सरकार द्वारा पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के हालिया बयानों को गंभीरता से नहीं लेने की, बात कही है। जनरल मुनीर ने एक सार्वजनिक भाषण में बलूचिस्तान में अशांति को कश्मीर मुद्दे से जोड़ा था, जो बढ़ते तनाव और संभावित सीमा पार उकसावे का संकेत था। अब विश्लेषकों का कहना है कि यह बयान आगामी हिंसा की चेतावनी हो सकता था।

इसके अलावा, पाकिस्तान और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पहलगाम के तीन आतंकवादियों के स्कैच जारी

श्रीनगर, 23 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले में शामिल तीन संदिग्ध आतंकियों के स्केच सुरक्षा एजेंसियों ने बुधवार को जारी किए। इनके नाम आसिफ फौजी, सुलेमान शाह और अबु तल्हा बताए गए हैं।

इंटेलिजेंस सूत्रों ने बताया कि हमले का मास्टर माइंड लश्कर-ए तैयबा का डिप्टी चीफ सैफुल्लाह खालिद है, जो पाकिस्तान में मौजूद है। शुरुआती जांच में पता चला है कि हमले में 5 आतंकी शामिल थे। इनमें से दो लोकल और 3 पाकिस्तानी आतंकी थे।

- जाँच के अनुसार पहलगाम हमले में 5 आतंकवादी शामिल थे, जिनमें से 2 स्थानीय थे।

जांचकर्ताओं का मानना है कि हमलावर सेना जैसी वर्दी में थे और उन्हें हमले से पहले इलाके की रेकी करने में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

विचार बिन्दु

मन जिस रूप की कल्पना करता है वैसा हो जाता है, आज जैसा वह है वैसे उसने कल कल्पना की थी। –योगवशिष्ठ

राजस्थान : सौर ऊर्जा का हब और भीषण गर्मी में बिजली की मारक कटौती

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल एक ओर जैसलमेर जिले में सौर उर्जा के एक बड़े निजी पार्क का उद्‌घाटन कर रहे थे और ठीक उसी समय राज्य के बिजली मन्त्री पोकरण में बिजली कटौती की शिकायत पर एक इन्जिनियर को सस्पेंड कर रहे थे, मानो इंजीनियर महोदय बिजली के उत्पादक हों। इसे कहते हैं बिजली के घर में अंधेरा। जो राजस्थान, भारत का सौर ऊर्जा का गढ़, 2025 में अपनी चमकती सौर परियोजनाओं और 24,102 मेगावाट की स्थापित क्षमता के साथ देश में अव्वल है, उसी राज्य में बेइन्तिहा बिजली कटौती हो रही है चन्द गिने–चुने बड़े शहरों को छोड़ दें तो अधिकांश कस्बों और ग्रामीण इलाकों की हालत खराब है जिसमें गर्मी का अभी तो बस आरम्भ हुआ है और लोग बेहाल हैं।

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल 2024 से फरवरी 2025 तक राज्य ने 118,359.51 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन किया, जिसमें सौर ऊर्जा का योगदान 43,572.46 मिलियन यूनिट रहा। यह आंकड़ा राज्य की सौर ऊर्जा नीति 2023 और एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति 2024 की सफलता का प्रतीक तो है ही, जो 2030 तक 90 गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखती है। भादला सौर पार्क जैसे मेगा प्रोजेक्ट्स ने निश्चय ही राजस्थान को वैश्विक सौर ऊर्जा नक्शे पर ला खड़ा किया है। लेकिन इस चमक के पीछे एक अंधेरा सच छिपा है–बिजली कटौती, नए कनेक्शनों के लिए मारामारी, डिस्कॉम का भारी घाटा, उपभोक्ताओं को महंगी बिजली की सप्लाई, किसानों के लिए रात में बिजली आपूर्ति की अमानवीय व्यवस्था, और सौर परियोजनाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार। सौर ऊर्जा ने राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने का सुनहरा सपना दिखाया है।

राज्य की 29,858 मेगावाट की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में सौर ऊर्जा का हिस्सा 80 प्रतिशत से अधिक है। कुसुम योजना, रूफटॉप सौर प्रणालियां, और मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना ने ग्रामीण क्षेत्रों में भी बिजली की पहुंच बढ़ाई है। 2025 तक, 13 मिलियन से अधिक उपभोक्ता डिस्कॉम के नेटवर्क से जुड़े हैं, जो कुल ऊर्जा खपत का 30 प्रतिशत हिस्सा लेते हैं। भादला सौर पार्क, जो 2,245 मेगावाट बिजली पैदा करता है, और जैसलमेर व बाड़मेर जैसे क्षेत्रों में स्थापित सौर परियोजनाएं राज्य की प्रगति का प्रतीक हैं। लेकिन यह प्रगति केवल आंकड़ों तक सीमित है। ग्रामीण क्षेत्रों में रूफटॉप सौर प्रणालियों की पहुंच मात्र 5.4 प्रतिशत है, जो शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों के साथ असमानता को उजागर करता है।

राज्य में सौर ऊर्जा क्षेत्र ने रोजगार सृजन में भी योगदान दिया है लेकिन वहां भी तकनीकी कुशल श्रमिकों को समुचित अवसर नहीं। 2025 तक, इस क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लगभग एक लाख नौकरियां पैदा हुई हैं लेकिन अधिकांश नौकरियां अस्थाई हैं। कुसुम योजना के तहत सौर पंपों की स्थापना और रखरखाव में स्थानीय तकनीशियनों को काम मिला है, जबकि सौर पार्क के निर्माण में अकुशल श्रमिकों को रोजगार मिला है। लेकिन यहीं पर सौर पार्क में स्थानीय अराजक तत्वों के आतंक ने हालात खराब कर रखे हैं मेरे एक परिचित ने इस पीड़ा को मुझ से शेयर करके बताया कि बाड़मेर, जैसलमेर में सौर उर्जा के पार्क में कैसे गुन्डों ने हफ्ता वसूली का काम कर रखा है और सरकार को ये सब पता है। राजस्थान निवेश प्रोत्साहन स्कीम 2024 ने, स्टाम्प ड्यूटी में 75 प्रतिशत छूट और बिजली शुल्क में 100 प्रतिशत छूट जैसे लाभ देकर स्टार्टअप्स और छोटे उद्यमों को प्रोत्साहन दिया है। लेकिन इन नौकरियों का बड़ा हिस्सा अस्थायी है, और कुशल श्रमिकों की कमी एक गंभीर समस्या आज भी बनीं हुई है।

सौर पैनल निर्माण और रखरखाव के लिए प्रशिक्षित तकनीशियनों की जरूरत को पूरा करने में सरकार नाकाम रही है। प्रशिक्षण केंद्रों की कमी और तकनीकी कौशल पर जोर न होने से यह क्षेत्र अपनी पूरी क्षमता तक नहीं पहुंच पा रहा। बिजली कटौती राजस्थान की एक पुरानी बीमारी है, जो 2025 में भी जनता को सता रही है। गर्मी के महीनों में, जब तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचता है, शहरी क्षेत्रों में एयर कंडीशनर और कूलर की मांग ग्रिड पर भारी दबाव डालती है। ग्रामीण क्षेत्रों में 7–8 घंटे की अनियोजित कटौती आम बात है। सौर ऊर्जा दिन में तो उपलब्ध है, लेकिन रात में बैटरी भंडारण की कमी इसे बेकार बना देती है। 2024 की नीति में 10,000 मेगावाट बैटरी भंडारण का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन 2025 तक केवल 500 मेगावाट की प्रगति हुई है जो ऊंट के मुंह में जीरा भी नहीं है। यह सरकार की सुस्ती और प्राथमिकताओं के अभाव का नतीजा है।

> **सौर पैनल आपूर्ति व स्थापना में गुणवत्ता जांच को अनिवार्य किया जाए। 2025 में राजस्थान सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश का सिरमौर है, लेकिन यह चमक केवल सतही है। राजस्थान को सही मायनों में सौर ऊर्जा का गढ़ बनाना है, तो सरकार को अपनी नाकामियों से सबक लेना होगा। पारदर्शी, जन-केंद्रित नीतियां और भ्रष्टाचार पर सख्ती ही इस क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती हैं।**

नए बिजली कनेक्शनों की मांग भी आसमान छू रही है। डिस्कॉम के पास 13 मिलियन से अधिक उपभोक्ता हैं, लेकिन नए कनेक्शनों के लिए महीनों की प्रतीक्षा और जटिल कागजी कार्रवाई ने जनता को हताश कर रखि है। कृषि क्षेत्र में डार्क जोन क्षेत्रों में कनेक्शन देना मुश्किल है, जिसके कारण किसान सौर पंपों की ओर रुख कर रहे हैं। लेकिन सौर पंपों की लागत और रखरखाव छोटे किसानों के लिए भारी बोझ है। कुसुम योजना के तहत सौर पंपों की स्थापना में भ्रष्टाचार की शिकायतें आम बात है सब्सिडी का लाभ बिचौलियों और प्रभावशाली लोगों तक सीमित है। डिस्कॉम का वित्तीय घाटा 2025 में बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। बिजली चोरी, पुराना ट्रांसमिशन नेटवर्क, और सब्सिडी योजनाएं इस घाटे के प्रमुख कारण हैं। ऊर्जा संचार में हानि 20 प्रतिशत से अधिक है, क्योंकि स्मार्ट ग्रिड और डिजिटल मीटरिंग सिस्टम की स्थापना में देरी हो रही है। इस घाटे का बोझ उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है, जो प्रति यूनिट 8–12 रुपये की दर से बिजली खरीद रहे हैं कामर्शियल उपभोक्ताओं को तो सबसे महंगी बिजली खरीदने को मजबूर हैं नतीजा राजस्थान में उद्योग–धंधों में निवेशकों की रुचि कम होती जा रही है। सौर ऊर्जा से उत्पादन लागत कम होने के बावजूद, इसका लाभ जनता तक नहीं पहुंच रहा है। इसका कारण है सौर परियोजनाओं में बड़े कॉरपोरेट्स का दबदबा और भ्रष्टाचार का जाल है।

सौर ऊर्जा क्षेत्र में बड़े कॉरपोरेट्स जैसे टाटा पावर और अदानी समूह की पकड़ मजबूत है। 2022 के निवेश राजस्थान शिखर सम्मेलन में टाटा पावर ने 8 हजार मेगावाट सौर परियोजनाओं और 1.50 लाख सौर पंपों की स्थापना का वादा किया था अदानी समूह ने 65 हजार करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की थी लेकिन इन परियोजनाओं का लाभ तीसरे पक्ष यानि अन्य राज्यों को बिजली निर्यात में जा रहा है, राज्य के हाथ कुछ नहीं लगा है। स्थानीय समुदायों को भूमि अधिग्रहण में उचित मुआवजा नहीं मिल रहा, और उनकी जमीनें जबरन छीनी जा रही हैं। भ्रष्टाचार का आलम यह है कि सौर परियोजनाओं के लिए भूमि अधिठाहण में स्थानीय अधिकारियों और कॉरपोरेट्स की मिलीभगत की शिकायतें आम हैं। सौर पैनल आपूर्ति और स्थापना में भी अनियमितताएं देखी जा रही हैं, जहां घटिया सामग्री का उपयोग कर मोटा मुनाफा कमाया जा रहा है। किसानों के लिए सर्दियों में रात में बिजली आपूर्ति की व्यवस्था अमानवीय है। 5 डिग्री से कम तापमान में रात को खेतों में सिंचाई करना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक होता है। यह व्यवस्था इसलिए लागू है ताकि दिन की बिजली शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों को मिल सके मतलब शहरों के पोषण से गांवों की बर्बादी।

कुसुम योजना ने कुछ राहत दी है, लेकिन केवल 20 प्रतिशत किसानों के पास सौर पंप हैं। सौर पंपों की स्थापना में देरी और भ्रष्टाचार ने इस योजना की साख को ठेस पहुंचाई है। सरकार की नाकामियां इस पूरे परिदृश्य को और गंभीर बनाती हैं। सौर ऊर्जा नीति 2023 और एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति 2024 कागजों पर क्रांतिकारी हैं, लेकिन जमीनी हकीकत निराशाजनक है। बैटरी भंडारण प्रणालियों को बढ़ावा देने में सरकार विफल रही है। ट्रांसमिशन नेटवर्क का आधुनिकीकरण सुस्त गति से चल रहा है। रूफटॉप सौर प्रणालियों की पहुंच बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान और वित्तीय योजनाएं अपर्याप्त हैं। किसानों की रात में बिजली आपूर्ति की समस्या को हल करने के लिए कोई ठोस नीति नहीं है। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए सख्त निगरानी और पारदर्शिता की कमी है। सौर परियोजनाओं में स्थानीय समुदायों को हिस्सेदारी देने की बात तो की जाती है, लेकिन इसका अमल न के बराबर है। भूमि अधिग्रहण में पारदर्शिता का अभाव और स्थानीय लोगों के हितों की अनदेखी ने असंतोष को जन्म दिया है। इन समस्याओं का समाधान आसान नहीं, लेकिन नामुमकिन भी नहीं।

बैटरी भंडारण प्रणालियों के लिए सब्सिडी और स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देना होगा। स्मार्ट ग्रिड और डिजिटल मीटरिंग सिस्टम में निवेश से ऊर्जा हानि को 10 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। रूफटॉप सौर को ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान और आसान ऋण योजनाएं शुरू की जाएं। किसानों को दिन में बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नई नीति बनाई जाए, और कुसुम योजना में भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई हो। सौर परियोजनाओं में स्थानीय समुदायों को हिस्सेदारी दी जाए, और भूमि अधिग्रहण में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। सौर पैनल आपूर्ति व स्थापना में गुणवत्ता जांच को अनिवार्य किया जाए। 2025 में राजस्थान सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश का सिरमौर है, लेकिन यह चमक केवल सतही है। राजस्थान को सही मायनों में सौर ऊर्जा का गढ़ बनाना है, तो सरकार को अपनी नाकामियों से सबक लेना होगा। पारदर्शी, जन–केंद्रित नीतियां और भ्रष्टाचार पर सख्ती ही इस क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती हैं। जनता का भरोसा जीतने के लिए सिर्फ वादे नहीं, बल्कि जमीनी अमल की जरूरत है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र मोहन शर्मा,
साहित्यकार, शिक्षाविद और चिन्तक

हार्वर्ड : सामुदायिक संस्थान की स्वायत्तता

एक राष्ट्रपति जो पुनः राष्टंपति चुने जाने में असफल होने पर अपने ही देश के संसद भवन 'केपीटोल' पर आक्रमण करवा सकता है वह अपने अहम् की तुष्टि के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। पुनः राष्टंपति चुने जाने पर डोनाल्ड टंप अपने उपराष्ट्रपति जे. डी वांस की बात कि ''विश्वव्रिद्यालय देश के दुश्मन हैं'', को सही साबित करते हुए सभी विश्वविद्यालयों को पाठ्यक्रम, विद्यार्थियों और प्राध्यापकों के चयन में प्रशासन के दखल को स्वीकार करने का आदेश जारी किया। बहाना अपने स्वनिर्मित आप्रवास नियमों को बना कर विदेशी विद्यार्थियों की भर्ती और प्राध्यापकों के चयन को प्रशासन के अनुसार करने के निर्देश जारी किए हैं। उनके अनुसार ये विश्वविद्यालय यहूदी विरोधी गतिविधियों का केंद्र बन चुके हैं।

इसके जवाब में हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रेसीडेंट एलन गार्बर ने अमरीकी प्रशासन के आदेश का प्रतिवाद करते हुए अमरीकी प्रशासन को लिखे अपने पत्र में लिखा है–

''हार्वर्ड यूनिवर्सिटी अमरीका की स्थापना से भी 140 साल पुरानी है। हार्वर्ड को 389 साल हो चुके हैं। यहां से पढ कर 8 राष्ट्रपति निकले हैं। सत्ता में रहने वाली कोई भी राजनीतिक पार्टी हमें यह निर्देश नहीं दे सकती कि हमें क्या पढाना है और कैसे पढाना है और किसे नियुक्ति देनी है।''

''टंप सरकार ने युनिवर्सिटीज को अपनी नीतियों में बदलाव के आदेश दिये हैं। लेकिन हार्वर्ड यूनिवर्सिटी अमरीकी संविधान से मिली स्वतन्त्रता के अधिकार को गिरवी नहीं रखेगी। कोई भी यूनिवर्सिटी अभिव्यक्ति की आजादी का केंद्र होती है। यूनिवर्सिटी होने के नाते हम अपनी जिम्मेदारी के प्रति सजग हैं। भयमुक्त समाज और सभी के लिए खुशहाल जीवन के लक्ष्य यूनिवर्सिटी में बरसों से बनाये रखा है। हम हमेशा किसी भी नस्ल 'यहूदी' अथवा धर्म के व्रिरूद्ध भड़काऊ प्रदर्शनों के खिलाफ रहे हैं। पिछले पंद्रह महिनों के दौरान हमने ऐसे प्रयास किये है कि दुनिया रहने के लिए एक बेहतर जगह बने। हार्वर्ड का लक्ष्य है बहुलवादी समाज के लिए काम करना। दकियानूसी सोच का हमेशा विरोध किया जायेगा। हार्वर्ड का प्रयास वैज्ञानिक सोच को विकसित करने का है। इन सब के बीच सरकार की ओर से जारी होने वाले सभी आदेशों का यूनिवर्सिटी ने पालन किया है।

''यूनिवर्सिटी से जुड़े 11 कॉलेज इस दिशा में काम कर रहे हैं। यह बात अमरीका ही नहीं पूरी दुनिया जानती है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी हमेशा से सरकार के साथ खुले संवाद के लिए तैयार है। लेकिन, मैं यह भी स्पष्ट करना चाहता हूँ कि हम किसी भी अनुचित दबाव के आगे झुकने वाले नहीं है फिर चाहे कोई भी सरकार सत्ता में हो।'' इसके बाद टंप प्रशासन ने 19 हजार करोड़ डॉलर की सहायता–अनुदान रोक दिया है तथा हार्वर्ड युनिवर्सिटी की आमदनी से इनकम टैक्स वसूलने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। 2.2 बिलियन डॉलर की सरकारी सहायता को तत्काल रोक दिया गया है जिसके विरूद्ध हार्वर्ड संस्थान न्यायालय में दावा पेश कर चुका है। हार्वर्ड के इस पूरे प्रकरण में हार्वर्ड के प्रेसीडेंट एलेन गार्बर के पत्र का विशेष महत्व है जो हार्वर्ड की स्वायत्त सामुदायिक संस्थान की पैरवी करते हुए शक्तिशाली अमरीकी प्रशासन के सामने तनकर खड़ा हो रहा है।

'सामुदायिक संस्थान' निश्चित रूप में सरकारों की स्वार्थपरक, अहंकारी, व्यक्तिवादी अपेक्षाओं के बीच सामुदायिक महत्व और सामुदायिक उत्तदायित्वों को रेखांकित करती है। संयुक्त राज्य अमरीका के औपचारिक गठन और संविधान को अपनाने के बावजूद, बेशक हार्वर्ड जैसी संस्थान पूंजीवादी शिक्षा की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, फिर भी जिस स्वरूप में इसका विकास हुआ है वह भविष्य की वैश्विक सामुदायिक संस्थान के रूप में उभर चुकी है और अगर इसके पूंजीगत आग्रहों को एक तरफ रख दिया जाये तो हार्वर्ड भविष्य की कम्यूनिस्ट व्यवस्था के सामुदायिक संस्थान की अभिव्यक्ति है जो किसी पूंजीवादी सरकार के प्रशासनिक पूर्वाग्रहों को नकारते हुए मानवजाति के सामुदायिक सरोकारों को स्थापित करते हैं। यदि हम सोवियत संघ की व्यवस्था में सरकार द्वारा प्रोत्साहित सामुदायिक संस्थानों के किये गये विकास को छोड़ भी दें तो, यूरोपीय संघ उसी सोवियत संघ की प्रेरणा को आगे बढा रहा है जहां अनेक संस्कृतियों और अनेक राष्ट्रों तथा राष्टीयताओं के होते हुए भी उनके समान आर्थिक, सामरिक हित है निश्चित ही यह भविष्य की विश्वव्यापी स्वायत्त सामुदायिक संस्थानों के लिए नींव का पत्थर है– हार्वर्ड का टंम्प प्रशासन जैसे शासन के सामने अपनी स्वायत्तता, अपनी वैश्विक पहचान बनाये रखने के लिए।

–राम निवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

पहलगाम आतंकी हमला: राजनीतिक नजरिये से बहुत कुछ मायने रखता है!

श्याम सिंह पंवार

कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला के बारे में बताया जा रहा है कि आतंकवादियों ने पर्यटकों से उनका धर्म पूछकर गोलीबारी की, निश्चित रूप से एक निंदनीय और अमानवीय कृत्य है। यह घटना न केवल धार्मिक आधार पर नफरत और हिंसा को दर्शाती है, बल्कि ''राजनीतिक दृष्टिकोण से भी गहरे निहितार्थ रखती है।''

धार्मिक आधार पर यह हमला नफरत और कट्टरता का प्रतीक है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आतंकियों ने हिंदुओं को निशाना बनाया और कुछ मामलों में जबरन कलमा पढ़ने के लिए दबाव डाला, जो न मानने वालों को गोली मार दी गई। यह कृत्य किसी भी धर्म के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है, क्योंकि सभी धर्म मानवता, शांति और सह–अस्तित्व की बात करते हैं। इसे किसी ''धार्मिक चोले में ढालना केवल हिंसा को औचित्य देने की कोशिश है, जो किसी भी नैतिक या आध्यात्मिक दृष्टिकोण से स्वीकार्य नहीं है।''

राजनीतिक दृष्टिकोण से यह हमला कश्मीर में शांति और पर्यटन के पुनरुत्थान को अस्थिर करने की साजिश का हिस्सा प्रतीत होता है। पहलगाम, जिसे 'मिनी स्विटजरलैंड' कहा जाता है, पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण है, और हाल के वर्षों में कश्मीर में पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह हमला, क्षेत्र में अशांति फैलाने और भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास हो सकता है।लश्कर–ए–तैयबा से जुड़े संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (ऊेंइ) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है, और सूत्रों के अनुसार, आतंकी पाकिस्तान से संचालित हो सकते हैं।

इस हमले ने कश्मीर के पर्यटन उद्योग पर गहरा आघात पहुंचाया है, क्योंकि कई पर्यटक क्षेत्र छोड़ रहे हैं। अगर ऐसे नजारे और बढ़े तो यहाँ के लोगों का रोजगार प्रभावित हो जाएगा।

यह मेरा निजी विचार है कि– यह हमला न केवल धार्मिक कट्टरता का घिनौना प्रदर्शन है, बल्कि ''एक सुनियोजित राजनीतिक रणनीति भी प्रतीत होती है। जो कि मानवता के खिलाफ एक जघन्य अपराध है।''

–श्याम सिंह पंवार, कानपुर।
वरिष्ठ पत्रकार

दो नाबालिगों का विवाह रूकवाया

उदयपुर, (कासं)। जिला कलक्टर नमित मेहता के निर्देशन में जिले में बाल विवाह की रोकथाम के लिए प्रशासन पूर्ण मुस्तैदी से जुटा हुआ है। कलक्टर कार्यालय में स्थापित बाल विवाह कन्ट्रोल रुम एवं बाल अधिकारिता विभाग में संचालित चाईल्ड हेल्प लाईन 1098 पर बेडवास में बाल विवाह की सूचना पर पहुंच कर दो नाबालिगों का विवाह रूकवाया।

कन्ट्रोल रुम प्रभारी बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक के.के.चंद्रवंशी के अनुसार मंगलवार शाम चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर जानकारी मिली कि शहर के समीप बेडवास क्षेत्र में एक परिवार अपने नाबालिग बालक और बालिका की शादी 22 अप्रेल 2025 को करने जा रहे है। चन्द्रवंशी ने चाइल्ड हेल्पलाइन समन्वयक नवनीत ओदिच्य को तुरंत टीम गठित कर प्रशासन के सहयोग से बाल विवाह रुकवाने एवं पाबन्द करवाने के निर्देश दिए। चाइल्ड हेल्पलाइन सदस्य महेंद्र सिंह राजपूत, प्रदीप मेघवाल, पटवारी आशीष कुमार, प्रताप नगर थाना से ए.एस.आई पर्वत सिंह और बाल कल्याण समिति से अध्यक्ष यशोदा पणिया, सदस्य अंकुर टांक मौके पर पहुंचे और हालातों का जायजा लिया। प्रथम दृष्ट्या लगा कि शादी की पूरी तेयारी थी। टेंट लगे हुए थे और खाना चल रहा था।

विवाह के बारे में पूछा तो आना–कानी करने लगे फिर दूल्हा और दुल्हन के दतावेज देखे तो बालिका की उम्र 17 वर्ष पाई गई। दो बालक की उम्र 16 वर्ष व 18 वर्ष थी दोनों नाबालिग पाए गए। इस पर टीम ने लडकी के परिवार को उसके बालिग होने के बाद ही शादी करने के लिए पांबद किया। इस कार्यवाही में बाल कल्याण समिति यशोदा पणिया, सदस्य अंकुर टांक, चाइल्ड हेल्पलाइन टीम से मोईन मन्सुरी महेंद्र सिंह और प्रदीप मौजूद रहे।

ग्रीन लिटिल बेबी श्रेया कुमावत की अनोखी पहल : धरती माता को हरा-भरा और स्वच्छ बनाने का संकल्प

शाहपुरा । पर्यावरण प्रेमी ग्रीन लिटिल बेबी श्रेया कुमावत द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में, नन्हे–मुन्ने बच्चों के साथ पर्यावरण संरक्षण के महत्व की चर्चा की गई। कार्यक्रम में धरती माता को हरा–भरा, स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त रखने का संकल्प लिया गया।ग्रीन लिटिल बेबी श्रेया कुमावत ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर दिया।कार्यक्रम में बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत अपने घर को हरा–भरा करने और अपने जन्मदिन एवं किसी खास दिन पर पेड़ लगाने का संकल्प लिया।प्लास्टिक प्रदूषण के कारणों और इसके निवारण के तरीकों पर चर्चा की गई।श्रेया कुमावत ने कहा, प्लास्टिक प्रदूषण हमारे पर्यावरण के लिए बहुत बड़ा खतरा है। हमें प्लास्टिक का उपयोग कम करना चाहिए और प्लास्टिक को रिसाइकिल करना चाहिए।

ग्रीन लिटिल बेबी श्रेया कुमावत ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

सभी बच्चों को ग्रीन बेबी का मेडिसिन हर्बल गार्डन का भ्रमण कराया गया और उसमें लगे प्रत्येक हर्बल प्लांट्स के बारे मे और घर की शुद्ध आर्गेनिक सब्जीयों के पौधों के बारे में एवं घर से निकले 80 वेस्ट कचरे व प्लास्टिक को रिसाइकिल कर वेस्ट तो बेस्ट उपयोग करने के बारे में जानकारी दी गई। हमें अपने घर को हरा–भरा करने के साथ और अपनी धरती माता पर भी पेड़ लगाने का संकल्प लेना चाहिए।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देश

- **अब संतों, जननायकों और शहीदों के नाम होंगी अजमेर शहर की प्रमुख सड़कें**
- **संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में कमेटी ने दी हरी झंडी, चार प्रमुख सड़कों का नामकरण**

अजमेर (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देश पर अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र की चार प्रमुख सड़कों का नामकरण किया गया है। संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता वाली कमेटी ने नामकरण के इन प्रस्तावों को हरी झंडी दी। संत शिरोमणी नामदेव महाराज, शहीद स्व. मेजर नटवर सिंह शक्तावत, शहीद अविनाश माहेश्वरी, वीरांगना झलकारी बाई के नाम पर अब यह सड़कें जानी जाएगी। शीघ्र ही अन्य मार्गों, थानों व क्षेत्रों के नाम भी राष्ट्र गौरव के परिचायक नामों के आधार पर रखे जाएंगे।

अजमेर शहर को गुलामी के प्रतीक नामों से मुक्ति दिलाने और राष्ट्रनायकों को जनमानस में स्थापित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के क्रम में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रशासन को यह निर्देश दिए थे।

उन्होंने कहा था कि अजमेर के लोगों, विशेषकर युवा पीढ़ी में अपने नायकों के इतिहास, नाम और उनके व्यक्तित्व की पहचान और जानकारी होनी चाहिए। देवनानी ने निर्देश दिए थे कि आगरा गेट चौराहे से लेकर अग्रसेन चौराहे तक मार्ग का नाम संत शिरोमणी नामदेव महाराज के नाम से किया जाए। इसी तरह सेंट स्टीफन चौराहे से झलकारी बाई स्मारक तक की रोड़ का नाम वीरांगना झलकारी बाई रोड़ एवं पंचशील नगर में एक्सिस बैंक के भवन से ब्राविया रेजिडेन्सी तक सेक्टर बी व सी के मध्य की डिवाईडर रोड़ का नाम शहीद स्व. मेजर नटवर सिंह शक्तावत तथा आनासागर पुलिस चौकी से मामा की दुकान (प्रेमनगर) तक स्थित मार्ग का नाम शहीद अविनाश माहेश्वरी मार्ग किया जाए। इस सभी प्रस्तावों को नगर निगम की साधारण सभा में भी मंजूरी दे दी गई।

देवनानी के निर्देश पर इन नामों को संभागीय आयुक्त महेश चन्द्र शर्मा की अध्यक्षता वाली कमेटी ने भी मंजूरी दे दी है। इन मार्गों को अब संतों, वीरांगना व जननायकों के नाम से जाना जाएगा। गौरतलब है कि देवनानी के निर्देश पर इससे पूर्व अजमेर में भवनों व तालाबों को गुलामी के प्रतीक नामों से मुक्ति दिलाई गई थी। देवनानी के निर्देश पर किंग एडवर्ड मेमोरियल का नाम बदल कर महर्षि दयानन्द विश्रांति गृह किया गया। इसी तरह राजस्थान पर्यटन विकास निगम की होटल खादिम का नाम बदल कर होटल अजयमेरू किया गया। इसी तरह शहर के प्रमुख तालाब फॉयसागर को भी अंग्रेजी नाम से मुक्ति दिलाकर वरूण सागर नाम दिया गया। देवनानी ने एलीवेटेड रोड़ का नाम बदल कर रामसेतु करने पर भी विधायक के रूप में अपनी सहमति दी है।

राशिफल गुरूवार 24 अप्रैल, 2025

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, शतभिषा नक्षत्र दिन 10:49 तक, ब्रह्म योग दिन 3:56 तक, बालव करण दिन 2:33 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 3:26 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मेष, चन्द्रमा–कुम्भ, मंगल–कर्क, बुध–मीन, गुरू–वृष, शुक्र–मीन, शनि–मीन, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज बरुथिनी एकादशी व्रत, पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:35 तव, चर 10:48 से 12:25 तक, लाभ अमृत 12:25 से 3:38 तक, शुभ 5:15 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:58, सूर्यास्त 6:51

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

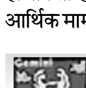

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

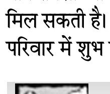

कर्क
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। व्यावसायिक मामलों में संयम रखना ठीक रहेगा।

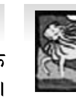

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा।

कन्या
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नवीन कारोबारी अनुबंध प्राप्त होंगे। आवश्यक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

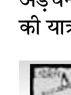

तुला
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेंगी। मन का भय समाप्त होगा। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

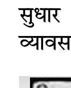

वृश्चिक
घर–परिवार में धार्मिक–मांगलिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

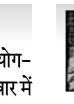

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

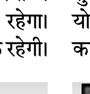

मीन
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

21 विद्यार्थियों को गणवेश की सेवा दी

अजमेर, (कांस)। आओ गांव चले सेवा करे एवं आवश्यकता अनुरूप सेवा के अंतर्गत विश्व के सबसे बड़ा सेवा संगठन लायंस क्लब्स इंटरनेशनल की शाखा लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा बुधवार को समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, लायन अतुल पाटनी के सहयोग से अजमेर के अंचल में स्थापित राजकीय प्राथमिक विद्यालय रुवालिया दडा किशनपुरा ग्राम पंचायत तिलोरा पंचायत समिति अजमेर ग्रामीण में शिक्षा के साथ संस्कार ग्रहण करने के लिए आने वाले विद्यार्थियों को गणवेश की सेवा विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक कुमार त्रिपाठी एवं शिक्षक नेमीचंद जाट के नेतृत्व में प्रदान की गई। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के संयोजन में एवं सामाजिक कार्यकर्ता गिरधर सेन एवं हरिकिशन के माध्यम से विद्यालय के 21 विद्यार्थियों को सेवा प्रदान की गई।

आरपीएससी ने एग्रीकल्चर ऑफिसर परीक्षा की मॉडल आंसर की जारी

- अभ्यर्थी 25 अप्रैल तक करा सकेंगे आपत्ति दर्ज
- राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से एग्रीकल्चर ऑफिसर (कृषि विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 की मॉडल आंसर की जारी कर दी है

अजमेर, (कांस)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से एग्रीकल्चर ऑफिसर (कृषि विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 की मॉडल आंसर की जारी कर दी है। आयोग ने अभ्यर्थियों को मॉडल आंसर-की पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए निर्धारित शुल्क के साथ 25 अप्रैल देर रात्रि 12 बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करा सकेंगे। आरपीएससी आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि मॉडल आंसर-की पर आपत्ति दर्ज 23 से 25 अप्रैल तक दर्ज कराई जा सकती है। आपत्तियां आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्र के क्रमानुसार ही प्रविष्ट करनी होंगी।

उक्त परीक्षा का मॉडल प्रश्न पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। आपत्ति प्रामाणिक (स्टैंडर्ड, ऑथेंटिक) पुस्तकों के प्रमाण सहित ऑनलाइन ही दर्ज करानी होगी। वांछित प्रमाण संलग्न नहीं होने की स्थिति में आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों के अतिरिक्त यदि कोई अन्य व्यक्ति आपत्ति दर्ज कराता है, तो उन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। आयोग द्वारा प्रत्येक प्रश्न के लिए आपत्ति शुल्क एक सौ रुपए (सेवा शुल्क अतिरिक्त) निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थी एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर उक्त परीक्षा के लिए उपलब्ध लिंक (क्वेश्चन आब्जेक्शन) पर क्लिक कर प्रश्नों पर आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं। शुल्क के अभाव में आपत्तियां स्वीकार नहीं की जाएगी। आयोग द्वारा शुल्क वापस लौटाने का प्रावधान नहीं है। आपत्तियां केवल ऑनलाइन ही स्वीकार की जाएंगी। ऑनलाइन आपत्तियों का लिंक 23 से 25 अप्रैल तक रात्रि 12 बजे तक ही उपलब्ध रहेगा। निर्धारित समयावधि के बाद लिंक निष्क्रिय हो जाएगा। अन्य किसी माध्यम से भेजी गई आपत्तियां स्वीकार नहीं की जाएंगी।

ग्राम साथिन बहनों ने रैली निकाली

भीलवाड़ा। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध भारतीय ग्राम साथिन कर्मचारी संघ भीलवाडा के बैनर तले जिले के सैकडों ग्राम साथिन बहनों ने रैली प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम पर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। संघ की जिलाध्यक्ष कमला बैरवा, माया प्रजापत ने बताया कि ग्राम साथिन बहने 64 तरह की सरकारी योजनाओं को ठाामीण स्तर पर हर महिला तक एवं आमजन तक पहुँचा रही है, बदले में सरकार 5500 रूपये मात्र का मानदेय देती है। हमने सरकार से यह मांग की है कि हमें स्थायी करें 18000 रू मासिक देवें, पेन्शन तथा सामाजिक महिला प्रचेता खण्ड पर अनुभवी साथिनों को पदौन्नत करें, नये बने नगर निगम/नगर परिषद के परिसीमन में जो भी ठााम पंचायतो को मर्ज किया है उसमें साथिनों को यथावत रखा जावे। धरने रैली को भामस के वरिष्ठ नेता प्रभास चौधरी जिला मंत्री हरीश सुवालका ने सम्बोधित कर कहा कि आपकी सभी मांगे जायज है, इसके लिए आप संगठन को मजबूत करें अन्यथा कोई सरकार आपकी सुनेगी नहीं। धरने में तहसील से आई अणछी रेगर, भंवर कंवर, सुंदर तेली, निरमा जीनगर, लीला सुवालका, शारदा पारीक, गायत्री शर्मा, इन्द्रा वैष्णव, शारदा शर्मा, इन्द्रा सोनी, पप्पू कंवर, ममता शर्मा, जगदीश कंवर, सपना बुनकर, मन्जू रेगर, ज्योति शर्मा, ममता धाकड, माया शर्मा, उर्मिला, राजकुमारी शर्मा सहित कार्यसमिति सदस्य राजेश जीनगर, किशन गुर्जर आदि उपस्थित थे।

दरगाह से आतंकी हमले पर संवेदनात्मक संदेश

अजमेर, (कांस)। सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह से जम्मू कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में 28 निर्दोष लोगों की हत्या और घायलों की शीघ्र स्वस्थ के लिए अंजुमन कमेटी द्वारा संवेदनात्मक संदेश जारी किया। वहीं भाजपा अल्पसख्ंयक मोर्चा द्वारा दरगाह में विशेष दुआ कर मृतकों की आत्मशांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने तथा परिजन को धैर्य के लिए दुआ मांगी। ख्वाजा साहब की दरगाह से जुड़ी अंजुमन सैय्यद जादगान के सचिव सरवर चिश्ती और चिश्ती फाउडेशन के अध्यक्ष सैय्यद सलमान चिश्ती ने आतंकी हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह हमला न केवल निर्दोष पर्यटकों पर किया गया।

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर
जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर 302017
पीएचडी और मास्टर डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश 2025-26

एफ.4/ए-1-1/2025-26/अकादमिक/पीएचडी/01
सभी विभागों/केंद्रों में विषम सेमेस्टर 2025-26 (जुलाई 2025) के लिए पीएचडी और एम.टेक./एम. प्लान. (प्रायोजित पूर्णकालिक /अंशकालिक) में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते है। अधिक जानकारी के लिए www.mnit.ac.in पर जाएँ। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 15 मई 2025 है।
CBC 21312/12/0003/2526 — रजिस्ट्रार

क्षेत्रीय कार्यालय
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, भीलवाडा
Email- rorpcb.bhilwara@gmail.com www.environment.rajasthan.gov.in
क्रमांक-जन सुनवाई/2024/भीलवाड़ा/क्षे.का.रा.प्र.नि.म/214/196-204 — दिनांक:- 16/04/2025

पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई के लिए आम सूचना

1. सर्व साधारण को सूचित किया जाता है मैसर्स **ओम सांवरिया सेठ ग्रेनाइट** द्वारा **एम. एल. न.- 73/2023**, रेफ. न. -20231000097105, **क्षेत्रफल 1.3109 हेक्टेयर, ग्रेनाइट उत्पादन-142857 टन प्रति वर्ष** (आर.ओ.एम.) **(कलस्टर क्षेत्रफल 141.9833 हेक्टेयर खनिज अभियन्ता के प्रमाण पत्र दिनांक 22.03.2024 के अनुसार) निकट ग्राम-कटार, तहसील आसींद जिला-भीलवाड़ा** में **ग्रेनाइट** के उत्पादन हेतु प्रार्थना पत्र से सम्बंधित प्रस्तावित परियोजना बाबत पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन स्टेट इनवायरमेन्ट इम्पेक्ट एसेसमेन्ट ऑथोरिटी, पर्यावरण विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। 2. और चूंकि कि है मैसर्स ओम सांवरिया सेठ ग्रेनाइट, द्वारा उक्त परियोजना के लिये पर्यावरणीय स्वीकृति के संबंध में पर्यावरणीय जनसुनवाई हेतु आवेदन मय दस्तावेजों के राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल (यहाँ तथा बाद में मण्डल के नाम से अभिलिखित) के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। 3. और चूंकि मण्डल को उक्त परियोजना हेतु वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना संख्या एस.ओ. 1533 दिनांक 14.09.2006 के अनुसरण में जनसुनवाई हेतु इस आशय की सूचना जारी कर 30 दिवस का नोटिस दिया जाना अनिवार्य है। 4. उक्त परियोजना से संबंधित पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन रिपोर्ट एवं संक्षिप्त कार्यपालक सार अभिलेख निम्न कार्यालयों में अवलोकनार्थ उपलब्ध हैं:- 1. कार्यालय जिला कलक्टर, भीलवाड़ा 2. कार्यालय जिला परिषद, भीलवाड़ा 3. राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, 4,पर्यावरण मार्ग, संस्थानिक क्षेत्र झालाना डूंगरी, जयपुर 4. पर्यावरण विभाग, शासन सचिवालय, राजस्थान सरकार, जयपुर 5. कार्यालय जिला उद्योग केंद्र, भीलवाड़ा 6. कार्यालय खान एवं भू विज्ञान विभाग, भीलवाड़ा 7. क्षेत्रीय कार्यालय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय I-209 एवं 218, अरण्य भवन, महात्मा गांधी मार्ग, झालाना इंस्टीट्यूशनल क्षेत्र, जयपुर 8. क्षेत्रीय कार्यालय, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, भीलवाड़ा 9. **राजीव गाँधी सेवा केंद्र ग्राम पंचायत कटार, पंचायत समिति आसींद, तह. आसींद, जिला भीलवाड़ा** अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आप उक्त परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति से सम्बंधित जन सुनवाई हेतु **दि. 30.5.2025 राजीव गाँधी सेवा केंद्र ग्राम पंचायत कटार, पंचायत समिति आसींद, तहसील आसींद, जिला-भीलवाड़ा में 3 बजे** उपस्थित होकर अपने लिखित एवं मौखिक सुझाव/आक्षेप प्रस्तुत कर सकते हैं। इस सम्बंध में लिखित सुझाव/आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस के अन्दर क्षेत्रीय कार्यालय राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल भीलवाडा में भी प्रस्तुत कर सकते हैं।
क्षेत्रीय अधिकारी **रा. प्र. नि. मं. भीलवाड़ा**

भीलवाड़ा में चौकीदार की खुरपे से युवक ने की हत्या

- देर रात एक युवक ने बेरहमी से हत्या कर दी। कातिल ने चौकीदार के गुप्तांग पर भी हमला किया

भीलवाड़ा। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र स्थित अय्यपा मंदिर के चौकीदार का देर रात एक युवक ने बेरहमी से हत्या कर दी। कातिल ने चौकीदार के गुप्तांग पर भी हमला किया। सूचना मिलने के 1 घंटे के भीतर ही कत्ल के आरोपी को भी डिटेन कर पुलिस ने गहनता से जांच शुरू की है।

सुभाष नगर थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर ने बताया कि रमा विहार कॉलोनी में स्थित अय्यप्पा मंदिर में चौकीदारी करने वाले मलाण निवासी लाल सिंह रावणा राजपूत (54) की रात में चौकीदारी करने के दौरान करीब 1:50 बजे एक युवक मंदिर पर पहुंचा जहां उसने चौकीदार पर खुरपे से हमला कर दिया। इस हमले में लाल सिंह की मौत हो गई। हत्या की सूचना रात करीब 2:30 बजे सुभाष नगर पुलिस को मिली। सूचना पर पुलिस उपअधीक्षक श्याम सिंह बिश्नोई, सुभाष नगर थाना प्रभारी गुर्जर मय जाप्ता मौके पर पहुंचे, जहां मंदिर परिसर में चौकीदार की खून से सनी लाश मिली।

मृतक के सिर वह गुप्तांग पर गंभीर चोटों के निशान थे। पुलिस ने वारदात स्थल का निरीक्षण कर कातिल की तलाश शुरू की। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने चौकीदार की हत्या के आरोप में आरोपित को डिटेन कर लिया।आरोपी प्रताप नगर थाना क्षेत्र में रहने वाला दीपक नायक बताया जा रहा है। पुलिस आरोपित से कत्ल को लेकर गहन पूछताछ कर रही है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमजी अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया हैं। हत्या की यह पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हुई है। वहीं दूसरी ओर रावण राजपूत समाज ने मृतक लाल सिंह के आश्रितों को 51 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग करते हुए एमजी हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस ने आरोपी दीपक को डिटेन करते हुए गहनता से पूछताछ शुरू कर दी है। वही शाम करीब 4 बजे तक चले प्रदर्शन के बाद उचित मुआवजे के आश्वासन पर मामला शांत हो पाया।

पहलगाम में आतंकी हमले को लेकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा

शाहपुरा। उपतहसील क्षेत्र ढिकोला में आज नायब तहसीलदार रामप्रसाद मीणा को रास्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया गया।ज्ञापन में बताया कि कल जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला बेहद शर्मनाक ओर कायराना हरकत है।निर्दोष ओर निहत्थे पर्यटकों को निशाना बनाना मानवता के खिलाफ अपराध है।

जिसकी जितनी निंदा की जाए कम है।भारत सरकार को आतंकवाद को रोकने के लिए कठोर व ठोस निर्णायक कदम उठाने जरूरी है।ताकि मासूम नागरिकों की जान यू न गवानी पड़े।भारत सरकार ऐसे आतंकवादियों के खिलाफ कडा कदम उठाकर कडी से कड़ी कार्यवाही करें।इस मौके पर मण्डल अध्यक्ष मनीष नायक,सरपंच प्रतिनिधि गणपत खटीक, कोषाध्यक्ष अभिषेक पाराशर,ठाामीण मण्डल उपाध्यक्ष सन्दीप पटवारी,समाज सेवी गोपाल भाट,युवा मोर्चा उपाध्यक्ष सुरेश भाट,राजीव गांधी जिला अध्यक्ष परमेश्वर जागेटिया, विशाल शर्मा, भेरू खटीव मौजूद रहे।

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का भव्य शुभारंभ हुआ

भीलवाड़ा। शहर के मंगरोप रोड स्थित ओम शान्ति सेवा संस्थान वृद्धाश्रम बुधवार को भक्ति और श्रद्धा के अद्भुत संगम का साक्षी बना। श्री निबार्क पारमार्थिक सेवा संगठन (ट्रस्ट) के तत्वावधान में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का भव्य शुभारंभ हुआ, जिसकी शुरुआत हरणी महादेव मंदिर से निकली भव्य विशाल कलश शोभायात्रा के साथ हुई। सुबह 10 बजे, हरणी गांव की सैकड़ों महिलाओं ने उत्साह और भक्ति के रंग में रंगी इस शोभायात्रा में भाग लिया। अपने सिर पर सजे मंगल कलशों को धारण किए, महिलाएं भक्तिमय भजनों की मधुर धुनों पर थिरकती हुईं कथा स्थल की ओर आगे बढ़ीं।

इस दिव्य यात्रा के दौरान वातावरण पूरी तरह से भक्ति और श्रद्धा के रस में डूबा हुआ था। श्रद्धालुओं द्वारा लगाए जा रहे भगवान कृष्ण के जयकारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो रहा था, जो हर किसी के मन में एक अलौकिक आनंद का संचार कर रहा था। दोपहर में कथा मंडप में श्रीमद् भागवत कथा का विधिवत शुभारंभ हुआ। निम्बार्क आश्रम के महंत, कथावाचक मोहनशरण शास्त्री ने अपनी ओजस्वी वाणी से भागवत महात्म्य का सारगर्भित वर्णन किया। उन्होंने भागवत कथा के श्रवण के महत्व और इसके अनगिनत लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला, जिसे सुनकर उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। शास्त्री जी ने कथा के महत्व को बताते हुए कहा कि यह न केवल एक धार्मिक अनुष्ठान है, बल्कि जीवन को सही दिशा और परम आनंद की ओर ले जाने का एक दिव्य मार्ग है। यह कथा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी, जिसमें श्रीमद् भागवत के विभिन्न भक्तिमय प्रसंगों का रसपान कराया जाएगा। श्रद्धालुओं को शुकदेव-परीक्षित संवाद, अनेक भक्तों के पावन चरित्र, भगवान के विभिन्न अवतारों की मनोहारी कथाएं और भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक लीलाओं का श्रवण करने का अवसर मिलेगा।

आयोजन समिति के विपिन दीक्षित ने इस अवसर पर बताया कि कथा के अंतिम दिन सुदामा चरित्र का मार्मिक वर्णन और फूलों की होली विशेष आकर्षण का केंद्र होंगे। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि समिति ने सभी श्रद्धालुओं से कृष्ण जन्मोत्सव के पावन अवसर पर पीले और रुक्मणी विवाह के दिव्य दिन लाल वस्त्र धारण कर इस उत्सव की दिव्यता को और बढ़ाने का आठाह किया है। इस भव्य शुभारंभ और कलश यात्रा में उमड़ी श्रद्धा ने यह स्पष्ट कर दिया कि श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ न केवल हरणी वृद्धाश्रम के निवासियों के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक अनुभव साबित होगा। यह आयोजन भक्ति, ज्ञान और सामुदायिक सद्भाव का एक अनुपम उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

महिलाओं ने अपनी-अपनी पंचायतों की समस्याएं जिला प्रमुख बताई

- जिला प्रमुख सिलोरा पंचायत समिति के 33 गांवों की ग्राम सखी, सुरक्षा सखी महिलाओं से मिली

अजमेर, (कांस)। जिला प्रमुख सुशील कंवर पलाड़ा की अध्यक्षता में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में सेन्टर फॉर एडवोकेसी एण्ड रिसर्च संस्था के बैनर तले सिलोरा पंचायत समिति के 33 गांवों से ग्राम सखी, सुरक्षा सखी, और महिला सपोर्ट ग्रुप की महिलाओं ने अपनी-अपनी पंचायतों की समस्याएं प्रस्तुत कीं। महिलाओं ने विभिन्न समस्याओं को जिला प्रमुख सुशील कंवर पलाड़ा के समक्ष रखा, जिनमें प्रमुख रूप से महिला सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे, स्ट्रीट लाइट की कमी, नरेगा कार्यों का बंद होना, सार्वजनिक शौचालयों की अनुपलब्धता, और पेयजल संकट शामिल थे। जिला प्रमुख सुशील कंवर पलाड़ा ने संस्था द्वारा प्राप्त समस्याओं के निस्तारण के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद अजमेर को निर्देष प्रदान किये साथ ही कहा कि प्रत्येक बुधवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में गांवों की अन्य समस्याओं की सूची बनाकर प्रस्तुत की जा सकती है, उन्होंने महिलाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना की और आश्वासन दिया कि जनसुनवाई में उठाए गए सभी मुद्दों पर त्वरित समाधान के लिए प्रयास किए जाएंगे। सभी ग्राम सखियों ने कहां कि जिला प्रमुख जनसुनवाई न केवल ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को उजागर करने का एक प्रभावी माध्यम बनी, बल्कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में उनकी सक्रिय भागीदारी को भी रेखांकित करती है।

दही हाण्डी 15 किलों पैक में शुरु

भीलवाड़ा। सरस डेयरी परिसर में प्रबन्ध संचालक बिमल कुमार पाठक के द्वारा सरस दही हाण्डी 15 किलों पैक का शुभारम्भ किया गया। प्रबन्ध संचालक पाठक ने बताया गया कि उक्त बल्क पैक विशेषत: सामाजिक कार्यक्रमों/ शादियों , त्यौहारों एवं विशेष आयोजन पर केटर्स / होटल व्यवसायी/ हलवाईयों की अत्यधिक मांग को मध्यनजर रखते हुये प्रारम्भ किया गया, जिसकी उपभोक्ता दर 825/ -रूपये निर्धारित की गयी है। पूर्व में भीलवाडा डेयरी द्वारा सरस दही 100/200 ठााम कप और 200 / 500 ठााम पॉलीपैक व 05 किलों हाण्डी पैक साईज में उपलब्ध कराया जा रहा है इसी श्रृखंला में नवाचार के तहत सरस दहीं 15 किलों हाण्डी पैक में भी उपलब्ध होगा। उक्त कार्यक्रम में त्रिभुवन पाटीदार प्रभारी विपणन, शुभम कुमार जैन प्रभारी सम्पदा सहित अन्य विभागाध्यक्ष एंव विपणन विभाग का समस्त स्टाफ उपस्थित था।

कलाकारों की प्रस्तुतियां 25 से

- विद्यालयों में अन्तराष्ट्रीय स्तर के कलाकारों की प्रस्तुतियां होगी

भीलवाड़ा। स्पिक मैके (सोसायटी फॉर द प्रमोशन ऑफ इण्डियन क्लासिकल म्यूजिक एण्ड कल्चरल एमगंस्ट यूथ) एवं जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग के सहयोग से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिले के सभी स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल विद्यालयों में अन्तराष्ट्रीय स्तर के कलाकारों की प्रस्तुतियां होगी। जानकारी देते हुए राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य कैलाश पालिया ने बताया कि वर्ष 2023 में जिले के पूर्व जिला कलेक्टर एवं वर्तमान में शिक्षा निदेशक आशीष मोदी की पहल पर तथा 2024 में जिला कलेक्टर नमित मेहता एवं इस वर्ष 2025 में वर्तमान जिला कलेक्टर जसमीत सिंह सन्धु के नवाचार के तहत 25 अप्रैल 2025 से 03 मई 2025 तक जिले के सभी मॉडल विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के मानसिक तनाव को शास्त्रीय संगीत एवं नृत्यों से दूर किया जायेगा। स्टेट कोर्डिनेटर अन्नु प्रजापत ने बताया कि दिनांक 15 व 26 अप्रैल 2025 को विश्व नृत्य दिवस 2025 के उपलक्ष में प्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना संगीता दस्तीदर जहाजपुर, शाहपुरा, कोटड़ी व बनेडा तथा 30 अप्रैल व 01 मई 2025 को विश्व प्रसिद्ध ओडिसी नृत्यकार विद्वान पर्वत श्वेन सुवाणा, माण्डलगढ़, रायपुर व सहाड़ा में तथा 02 व 03 मई 2025 को विश्व प्रसिद्ध दक्षिण भारत के कुड्डीअट्टम कलाकार विद्वान मार्गीमधु चकियार तस्वारिया, माण्डल व हुरडा में अपनी प्रस्तुतियां देगें।

कश्मीर में हुए आतंकी हमले को लेकर लोगों में आक्रोश

रेवेन्यू बार के वकीलों ने कार्य बहिष्कार किया, जताया विरोध

अजमेर (कांस)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर बुधवार को रेवेन्यू बार एसोसिएशन अजमेर के वकीलों ने कार्य बहिष्कार कर विरोध जताया और जिला कलेक्टर लोकबंधु को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर केंद्र सरकार से आतंकवादियों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की मांग की। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय जैन ने हमले की निंदा करते हुए गृहमंत्री से इस्तीफे की मांग की तथा पूर्व आरटीडीसी चेयमैन धर्मेन्द्र राठौड़ ने भी आतंकी हमले की निंदा कर मृतकों की आत्मशांति के लिए प्रार्थना व परिजन को अपने संवेदना प्रकट की। भाजपाइयों ने आतंकियों के इस कृत्य की निंदा की।

अजमेर में रेवेन्यू बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कलेक्टर को ज्ञापन दिया।

- भाजपा-कांग्रेसियों ने की हमले की निंदा
- आतंकियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग

रेवेन्यू बार ने की केंद्र सरकार से कार्यवाही की मांग : राजस्थान रेवेन्यू बार एसोसिएशन अजमेर के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह राजावत के नेतृत्व में बुधवार को वकीलों ने जिला कलेक्टर लोकबंधु को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा। कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में एसोसिएशन के अध्यक्ष राजावत सहित वकीलों ने कहा कि यह शर्मनाक हमला देश की आत्मा पर है। उन्होंने हमले में मारे गए निर्दोष नागरिकों की आत्मा की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। आतंकी हमले में अब तक 27 लोगों की मौत हो चुकी है और 20 से अधिक लोग घायल हैं। मृतकों में उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और उड़ीसा के पर्यटक शामिल हैं।

शहर कांग्रेस कमेटी ने की निंदा : जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने निंदा की है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष विजय जैन और प्रवक्ता अंकुर त्यागी ने कहा कि ये घटना दिल दहला देने वाली है। पर्यटकों पर कायराना आतंकी हमले की खबर अत्यंत दुखद एवं शर्मनाक है। ऐसे कृत्यों की जितने कठोर शब्दों में निंदा की जाएए कम है। हमले में कई लोगों के हताहत होने की सूचना पीड़ादायक है, शोकाकुल परिवारजनों के प्रति हमारी गहरी संवेदना है। जैन ने कहा पहलगाम हमला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की नीतियों के असफल होने का परिणाम है। गृहमंत्री होने के नाते शाह बड़े दावों के बावजूद कश्मीर में सुरक्षा देने में असफल रहे। उन्होंने अपना पूरा समय 365 दिन क्षेत्रीय दलों को तोडने की साजिश में लगा दिया। उन्हें पद से इस्तीक्ता देना चाहिए।

भाजपाई ने आतंकी हमले की निंदा : विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जैन समाज के कार्यक्रम में जैन आचार्य वसुनंदी महाराज से आशीर्वाद लेते हुए मंच से कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की तीव्र निंदा करते हुए कहा कि कश्मीर का एक शांत और लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। ऐसे स्थान तक आतंकियों की पहुंच और वहां मौजूद निहत्थे पर्यटकों को निशाना बनाया जाना उनके मंसूबों को दर्शाता है। आतंकियों का मकसद देशभर में भय और अस्थिरता फैलाना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की हिंसा और सोच से मुक्ति केवल जैन धर्म के अहिंसा मार्ग पर चलकर ही संभव है। विधायक अनिता भदेल ने भी आतंकी हमले की निंदा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमितशाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से आतंकियों के खिलाफ जवाबी कार्यवाही करने की बात कही। भदेल ने मृतक के परिजन के प्रति अपनी संवेदना भी प्रकट की।

कुएं में गिरे लेपर्ड व जंगली सुअर

सुअर कुएं में गिर गया तो उसका पीछा कर रहा लेपर्ड भी कुएं में गिरा गया

सुअर का शिकार करने के दौरान लेपर्ड भी कुएं में गिर गया।

- शिकार के दौरान हुआ हादसा, रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची
- कुएं में 2 फीट तक ही पानी भरा हुआ था। जिससे दोनों सुरक्षित थे। लोगों ने सूअर का शिकार करते समय पीछे भागने से दोनों के कुएं में गिरने का आशंका जताई है।

डूंगरपुर। वरदा थाना क्षेत्र के आंतरी गांव में शिकार के चक्कर में एक शिकारी खुद भी फंस गया। एक लेपर्ड सूअर का शिकार करने के लिए पीछे दौडा। इस दौरान सुअर कुएं में गिर गया तो उसका पीछा कर रहा लेपर्ड भी कुएं में गिरा गया।

दोनों कुएं में पानी के होने से सुरक्षित हैं। वन विभाग की टीम अब दोनों को कुएं से बाहर निकालकर रेस्क्यू के प्रयास कर रही है। वहीं एक ही कुएं में लेपर्ड और सुअर के गिरने के बाद लोगों की भीड जमा हो गई। वरदा थाना क्षेत्र के आतरी गांव में हनुमान मंदिर के पीछे एक कुआं स्थित है। कुएं में से बुधवार सुबह लेपर्ड के दहाडने की आवाजें लोगों को सुनाई दी। जिस पर लोगों ने कुएं के पास जाकर देखा तो कुएं में एक लेपर्ड और एक सुअर गिरा हुआ था। कुएं में 2 फीट तक ही पानी भरा हुआ था।

श्रमिक ने की आत्महत्या

उदयपुर,। शहर के सुखेर थाना क्षैत्र में श्रमिक ने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार परावन भीण्ड एमपी हॉल चित्रकूटनगर भुवाणा निवासी रामदुनी (41) पुत्र भूरेसिंह ने मीरा नगर स्थित निर्माणाधीन मकान पर फांसी लगा आत्महत्या कर ली। रामदुनी मीरा नगर स्थित निर्माणाधीन मकान पर पेंटींग का काम कर रहा था। जहां उसने मंगलवार सांय फांसी लगा ली। इसका पता चलने पर साथी श्रमिक उसे निचे उतार कर चिकित्सालय ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर सुखेर थाना एएसआई रघुवीरसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

विधायक पुत्र ने पुलिस कर्मियों को पीटा, फोन छीने, तोड़फोड़ की

पावटा । आबकारी थाना प्रागपुरा में घुसकर कोटपुतली विधायक पुत्र ने बदमाशों के साथ घुसकर आबकारी पुलिस कर्मियों पर हमला कर दिया। वही आबकारी थाना प्रागपुरा में तोड़फोड़ कर आबकारी पुलिस कर्मियों के मोबाइल फोन छीन अपने साथी को छुड़ा ले गया। जमादार आबकारी थाना प्रागपुरा पदम सिंह मय लक्ष्मण सिपाही, पतराम सिपाही, जगदीश जमादार, भूपसिंह यादव सिपाही ने प्रागपुरा थाना पुलिस में मामला दर्ज करवाया है। जिस पर कोटपुतली विधायक पुत्र व बदमाशो की गिरफ्तारी के लिए प्रागपुरा थाना पुलिस छापेमारी कर रही है। जमादार आबकारी थाना प्रागपुरा पदम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कल शाम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ढाढा तिराहा गौ शाला के पास एक जेपी योगी नाम का आदमी अवैध शराब बिक्री कर रहा है। जिस पर उसको पकड़ने के लिए पतराम सिपाही को सिविल ड्रेस में वहां भेजा गया। जहां उक्त आदमी एक गत्ते के कार्टून में अवैध शराब बेचता नजर आया जिसकी सूचना पतराम सिपाही ने जमादार आबकारी थाना प्रागपुरा पदम सिंह को दी। पदम सिंह मय जाप्ता मौके पर पहुंचे तो अवैध शराब बेचने वाला आदमी पुलिस को देख भागने लगा। लेकिन उसे पकड़ लिया गया व रात करीब 8 बजे प्रागपुरा थाना ले आए। तभी कोटपुतली विधायक पुत्र पंकज पटेल का जमादार आबकारी थाना प्रागपुरा पदम सिंह के पास फोन आया। जिस पर सिपाही पतराम ने उससे बात करने के लिए कहा तो पंकज पटेल ने उससे गाली गलौच करने लगा। जिस पर उससे फोन लेकर जमादार आबकारी थाना प्रागपुरा पदम सिंह ने बात की तो उसे भी वह ट्रांसफर करने की धमकी देकर गाली गलौच करने लगा। वही थोड़ी देर बाद ही 5-6 गाड़ियों में 40-50 लोग सवार होकर आए व आबकारी थाना प्रागपुरा में घुसकर आबकारी पुलिसकर्मियों से मारपीट करने लगे व उनके फोन छीन लिए व आबकारी थाने में तोड़फोड़ शुरू कर दी। जिस पर भीड़ का फायदा उठाकर जमादार आबकारी थाना प्रागपुरा पदम सिंह प्रागपुरा थाना पहुंच गया व जाप्ता लेकर आबकारी थाना प्रागपुरा पहुंचा तो पुलिस जाप्ता देखकर मौके पर मोबाइल फेंककर अवैध शराब बेचते जिस आरोपी को गिरफ्तार किया था, उसे गाड़ी में बिठाकर फरार हो गए। जिस पर चोटग्रस्त जाप्ते का मेडिकल करवाने व राजकार्यों में बाधा डालने का मामला दर्ज करवाया गया है। जिस पर प्रागपुरा थाना पुलिस ने अपराध धारा182(2), 121(1), 132,333, 351(3), 221, 262, 263(क) बीएनएस में मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

अवैध शराब से भरी कार जब्त

उदयपुर,। टीडी थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान अवैध शराब से भरी कार को जब्त कार चालक को गिरफ्तार किया।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीरसिंह राठौड़ के सुपरविजन में टीडी थानाधिकारी देवेन्द्रसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने 22 अप्रेल को गश्त के दौरान उदयपुर से अहमदाबाद जाने वाले रोड़ पर कार को रोक तलाशी ली तो उसमें 4 कर्टन अवैध शराब के पाए गए। इस पर शराब सहित कार जब्त कर चालक पीपलली बी फला बाव ऋषभदेव निवासी ईश्वरालाल पुत्र धुलाराम को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया।

लोडिया तालाब में डूबा विमंदित बालक

रोते हुए मां बोली- रस्सी से पैर बांध रखा था

- पुलिस के नेतृत्व में एक टीम ने मासूम की तलाश में तालाब में रेस्क्यू चलाया

पाली, (नि.सं.)। पाली में बुधवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। 5 बहनों का इकलौता 16 साल का भाई तालाब में डूब गया। घटना के बाद से मासूम के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। वही पुलिस के नेतृत्व में एक टीम मासूम की तलाश में तालाब में रेस्क्यू चला रही है लेकिन फिलहाल उसका कोई पता नहीं चला है।

घटना बुधवार सुबह करीब 11 बजे पाली शहर के औद्योगिक नगर थाना क्षेत्र में पांच मौखा पुलिया डम्पिंग यार्ड के सामने लोडिया तालाब में हुई। यूपी के देविहाना पोस्ट कुम्भी, खीरी (मोहम्मदी) लेखराज फकीर अपनी पत्नी और 5 बेटियों ओर 1 बेटे के साथ यहां झोपड़ी बनाकर अस्थाई रूप से खुले मैदान में रहता है। उसका परिवार यहां राशियों के नगर गली-मोहल्ले में जाकर बेचने का काम करता है और दिव्यांग होने के चलते वह मोहल्लों में जाकर भीख मांगकर अपने परिवार का गुजारा चलाता है।

हमेशा की तरह बुधवार सुबह भी वह घर से निकल गया। उसकी पत्नी अनिति बेटी के पैर में लगी होने के चलते दवा लेने गई थी।

जाने से पहले उसने अपने 16 साल के विमंदित बेटे मतलुम का एक पैर रस्सी से बांधकर एक खूंटे से बांध दिया था लेकिन पीछे से उसने झोपड़ी में रखे चाकू से रस्सी काटी और शर्ट खोलकर लोडिया तालाब में नहाने उतर गया। मासूम की मां अनिति का कहना है कि उसे तैरना नहीं आता था वह जन्म से विमंदित था समय पर मदद नहीं मिलने से वह डूब गया।

सूचना पर औद्योगिक नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों को बुलाया। जो सुबह 11 बजे से तालाब में उसका रेस्क्यू कर रही है लेकिन शाम चार बजे तक उसका कोई पता नहीं लगा। जबकि परिजनों का कहना है कि वह तालाब में डूबा है।

शाहपुरा जिला बचाओ आंदोलन 113 वें दिन भी अनवरत जारी

- जिला समाप्त करने के विरोध में क्रमिक अनशन धरने पर गौ सेवक दल शाहपुरा के सदस्य बैठे

शाहपुरा । जिला बचाओ संघर्ष समिति के द्वारा उपखंड कार्यालय शाहपुरा के बाहर क्रमिक अनशन धरने पर गो सेवक दल युवा परिषद शाहपुरा के सदस्य शांतिपूर्ण तरीके से नारेबाजी करते हुए धरना स्थल पर पहुंचकर शाहपुरा जिले को समाप्त करने के विरोध में प्रदर्शन किया और शाहपुरा को वापस जिले का दर्जा देने की मांग का ज्ञापन राज्यपाल के नाम उपखंड अधिकारी को दिया। गौ सेवक दल युवा परिषद शाहपुरा के सदस्य विश्व हिंदू परिषद एवं गौ सेवक रामेश्वर लाल धाकड़ के नेतृत्व में राजेंद्र पांडे उदयलाल धाकड नारायण साहू मुकेश प्रजापत हनुमान धाकड़ प्रहलाद सनाढय राजू कहार जुगल किशोर सुनील माली भगवान धाकड़ पंकज कहार रामदेव कहार द्वारका प्रसाद जाट छोटू लाल मोडूलाल गुर्जर सत्यनारायण शर्मा विनोद वैष्णव राजाराम वैष्णव सहित कई सदस्य क्रमिक अनशन धरने पर बैठे । जिनका संघर्ष समिति की ओर से अध्यक्ष दुर्गा लाल राजोरा के नेतृत्व में सदस्यों ने धरने पर बैठे गौ सेवक दल के सदस्यों का माला पहनकर स्वागत किया गया। धरने को गौ सेवक दल शाहपुरा के सदस्य रामेश्वर लाल धाकड राजेंद्र पांडे प्रहलाद सनाढय संघर्ष समिति संयोजक रामप्रसाद जाट ,महासचिव कमलेश मुंडेतिया सदस्य उदय लाल बेरवा ने संबोधित करते हुए

उदयपुर में मकान से सामान चोरी किया

उदयपुर,। मकान मालिक ने किराएदार के खिलाफ सामान चुरा ले जाने का प्रकरण भुपालपुरा थाना पुलिस ने दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित पोन्नाम्मा कोशी पत्नी थामस कोशी निवासी कुशाल बाग रोड़ केशव नगर ने आरोपी नरपत कुमार सोलंकी पुत्र गणेशाराम निवासी जोखास रानीवाड़ा जालोर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडिता ने बताया कि आरोपी को मेरे मकान पर किराए पर रूम दिए थे। गत दिनों मैं बाइक गई थी। वापस 16 अप्रेल को लौटी तो मकान से घरेलू सामान व गिफ्ट आईटम गायब थे। इस पर आरोपी से संपर्क किया तो वह नहीं मिला। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

मण्डावर में भालुओं के हमले में एक घायल

- क्षेत्र में पैंथर के मूवमेंट के बाद भालुओं के हमले से ग्रामवासियों में दहशत का माहौल
- सरपंच प्यारी कुमारी ने वन विभाग को कार्यवाही करने व ग्रामीणों से सावधानी बरतने की अपील की

देवगढ़ , (निसं)। राजसमन्द जिले के भीम उपखंड क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत मण्डावर के मुख्यालय पर आबादी क्षेत्र में प्रातः 6 बजे दो भालुओं ने एक व्यक्ति पर हमला कर दिया। अकस्मात हमले में संघर्ष के दौरान पीथड्रा खजुरिया निवासी नारायण सिंह (43) पुत्र सोहन सिंह गंभीर घायल हो गया।

जिसके सिर में 30 टांके आए दोनों हथेलियां पर गंभीर चोटें आई बगल में पीठ पर पैर सहित पूरे शरीर पर कई चोट खंरोच, संघर्ष के निशान लगे हैं। हमले में बचाव के दौरान उनके भाई भंवर सिंह को भी चोटें आई है। गंभीर घायलावस्था में निकटवर्ती देवगढ़ राजकीय चिकित्सालय में उपचार करवाया उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

हमले से दोनों भाई नारायण सिंह ,भंवर सिंह व उनका पूरा परिवार गहरे सदमे में आ गया है ।

मण्डावर सरपंच (प्रशासक) प्यारी कुमारी ने बताया कि पूरे गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों को पहले से ही पैंथर के मूवमेंट से डरावना था अब भालुओं के हमले बाद ग्रामीणों में खोंफ बन गया है।वन विभाग को जंगली जानवरो के आबादी इलाके में हो रहे मूवमेंट को रोकने के लिये कठोर कार्यवाही करने की सूचना दी गई है।जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल नही रहे।

ग्रामीणों से अपील की है कि शाम के समय, रात्रि के समय व प्रातःकालीन वेला में थोडी सावधानी बरतें। हाथ मे सुरक्षा की दृष्टि से लाठी रखें। अकेले पैदल नही घूमने की हिदायत दी गई है।

नहरों की मरम्मत नहीं कराएगा पंजाब, फिर भी 30 दिन की पूर्ण नहरबंदी

- वजह-केन्द्र सरकार की लेटलतीफी

बीकानेर, 5 अप्रैल से आंशिक नहरबंदी शुरू होकर 21 अप्रैल को खत्म हो गई। टोटल 46 दिन की नहरबंदी होगी। इसलिए 30 दिन की पूर्ण नहरबंदी भी शुरू हो गई जो 20 मई तक चलेगी। राजस्थान को नोटिफिकेशन पूर्ण नहरबंदी शुरू होने के बाद दिया गया। 21 को हरिके से पानी पूरी तरह बंद हो गया। चौंकाने वाली बात ये है कि इस पूर्ण नहरबंदी में भी पंजाब नहरों की मरम्मत नहीं कराएगा। इसलिए ये वेवजह की नहरबंदी है जिसकी परेशानी पश्चिमी राजस्थान के ढ ाई करोड़ लोगों को भुगतनी होगी।

पंजाब सीमा में आने वाली 112 किमी लंबी इंदिरा गांधी नहर की मरम्मत के लिए 2024 को छोड़ बीते 3 सालों से 60 से 70 दिन की नहरबंदी होती है। इसमें 30 दिन की आंशिक और 30 दिन की पूर्ण नहरबंदी होती रही है। आंशिक नहरबंदी के दौरान भी राजस्थान को पानी सरहिंद फीडर से दिया जाता था। इसलिए पंजाब को नहरों पर काम करने के लिए पूरे 60 दिन मिल जाते थे। इस बार मरम्मत काम, नहरों की री-लाइनिंग के कामों के जी शिडयूल में राजस्थान सरकार ने कुछ बदलाव करने के लिए केन्द्र सरकार को एप्रूवल के लिए प्रस्ताव भेजा। इसकी स्वीकृति केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय को देनी थी। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्रालय ने इसकी मंजूरी अप्रैल के पहले सप्ताह में दी। उसके बाद नहरबंदी की योजना बनी। क्योंकि आंशिक नहरबंदी के दिन बीत चुके थे। इसलिए अब सिर्फ पूर्ण नहरबंदी का समय बचा इसलिए इस साल पंजाब समय कम होने के कारण मरम्मत नहीं कराएगा। इसलिए ये नहरबंदी वेवजह की है।

इंदिरा गांधी नहर में वर्ष 1961 में जलापूर्ति शुरू हुई थी। इसके बाद कभी रिलाइनिंग का काम नहीं हुआ। इस कारण 18 हजार क्षमता वाली इस नहर में अब 9 हजार क्यूसेक पानी झेलने की ताकत नहीं रही। 2021 को आरडी 433 पर लाइनिंग धंस गई थी। 1 फरवरी को आरडी 383 पर लाइनिंग धंस गई। नहर को ठीक कराने के लिए 2019 में पंजाब, राजस्थान और केन्द्र सरकार के बीच समझौता हुआ जिसमें पंजाब सीमा में आने वाली 112 किमी नहर की मरम्मत का काम 2020 में शुरू होकर 2022 में खत्म होना था।

2020 में पंजाब समय पर टेंडर नहीं कर पाया। 2021 में टेंडर हुए तो कोरोना के कारण काम नहीं हुआ। 2020 और 2023 में काम हुआ। 2024 में लोकसभा चुनाव में वोटों का नुकसान ना हो इसलिए नहरबंदी नहीं हुई। 112 किमी में अब सिर्फ 16 किमी की मरम्मत बची है। करीब 96 किमी नहर की मरम्मत हो चुकी है। इस पूर्ण नहरबंदी होने के बाद भी मरम्मत काम नहीं होगा। मतलब साफ है कि 2026 में भी 60 दिनों की नहरबंदी होनी तय है। इंदिरा गांधी नहर में 18000 क्यूसेक पानी लेने की क्षमता है। अभी 10 हजार से ज्यादा पानी लेना मुश्किल होता है। पंजाब नहीं चाहता कि राजस्थान की नहर में 18000 क्यूसेक पानी दिया जाए ।

पुष्कर के वन क्षेत्र डाले गए कचरे के ढेर में लगी आग

पुष्कर, । अजमेर की तीर्थ नगरी पुष्कर में बुधवार को उस समय हडकंप मच गया, जब पुष्कर के खरेकड़ी रोड के वन क्षेत्रों में होटल रिजॉर्ट व सिलाई फैक्ट्रियों द्वारा डाले गए कचरे के ढेर लगी आग वन क्षेत्र में फैल गई। स्थानीय लोगों व नगर परिषद की सतर्कता के चलते आग पर काबू पा लिया गया, अन्यथा बड़ा अग्निकांड हो सकता था। वहीं कोबरा टीम ने वन्य जीवों के मरने की अभी कोई पुष्टि नहीं की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पुष्कर के कोबरा टीम के सुखदेव भट्ट ने बताया कि खरेकड़ी रोड के वन क्षेत्र में होटलों व रिसोर्ट से डाले गए कचरे के ढेर में बुधवार सुबह आग लगने की सूचना मिली थी, जिस पर वह अपने सहयोगियों के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की सहायता से आग पर काबू पाने के प्रयास किए तथा सूचना जिला व पुलिस प्रशासन दी गई।

सूचना मिलते ही मौके पर वन विभाग के जितेंद्र भड़ाना व नगर परिषद का अग्निशमन वाहन पहुंचे

पुष्कर जी के वन क्षेत्र में लगी आग के बाद दमकल कर्मियों ने आग को बुझाया ।

और आग पर कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया, लेकिन इस बीच कई पेड़ जल गए।

वन क्षेत्र में डाला जाता है वेस्ट : वन विभाग के अधिकारी जितेंद्र भडाना ने बताया कि पुष्कर कस्बे के होटल, रिजॉर्ट व कपड़ा फैक्ट्री से निकलने वाला वेस्टेज कचरा वन क्षेत्र में डाला जाता हैं, जिससे पर्यावरण के साथ वन्य जीवों के लिए खतरा बना हुआ है।

- बड़ी हानि टली, वन्य जीवों के मरने की नहीं हुई पुष्टि
- पुष्कर के कोबरा टीम के सुखदेव भट्ट ने बताया कि खरेकड़ी रोड के वन क्षेत्र में आग लगी

आगजनी जैसी घटनाओं से वन्य जीवों का संकट का खतरा बना रहता है। आगजनी में कितने वन्य जीव जलकर मर गए, इसकी वन विभाग कोई पुष्टि नहीं की हैं, लेकिन कोबरा टीम के भट्ट ने पुलिस व प्रशासन से घटना को गंभीरता से लेकर जांच कर कार्यवाही की मांग की है।

साथ ही उन्होंने वन क्षेत्रों को कचरा पात्र बनाने वाले रिजॉर्ट, होटल व सिलाई फैक्ट्रियों के मालिकों से कचरा न डालने की अपील की है।

बदमाशों ने रिसोर्ट मालिक को बनाया बंधक

- नगदी व मोबाइल लूट कर हुए फरार
- पीड़ित ने पुलिस में कराया मुकदमा दर्ज
- बदमाशों की तलाश में जुटी पुलिस
- बाद में 10 हजार नकदी सहित कीमती मोबाइल छीन कर हाथ पैर बांधकर फरार हो गए

अजमेर, (कांस)। शहर में बेखौफ बदमाशों ने गंज थाना क्षेत्र में देर रात लूट की वारदात अंजाम देकर फरार हो गए। छह-सात बदमाशों ने एक रिसोर्ट में घुसकर मालिक को बंधक बनाया मारपीट कर नगदी सहित मोबाइल लूट कर फरार हो गए। पीडित् रिसोर्ट मालिक ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गंज थाना पुलिस के अनुसार फॉयसागर रोड निवासी कैलाश चंद शर्मा ने थाने पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ जानलेवा हमला करने सहित नगदी व मोबाइल लूट ले जाने का मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज रिपोर्ट में पीडित् रिसोर्ट मालिक शर्मा ने बताया कि उनका खड़ेखरी पुष्कर बाईपास पर रिसोर्ट है।

उक्त रिसोर्ट को उनका पुत्र संभालता है। रिसोर्ट के चौकीदार के छुट्टी पर जाने के कारण वह रिसोर्ट में सोने के लिए गया था, तभी देर रात 12 से 1 बजे के बीच 6 से 7 बदमाश रिसोर्ट का गेट कूद कर अंदर दाखिल हुए। बदमाशों में कमरे का गेट बजाया, जैसे ही गेट खोला बदमाशों ने सरिया से हमला कर दिया।

बाद में 10 हजार नकदी सहित कीमती मोबाइल छीन कर हाथ पैर बांधकर फरार हो गए। पीड़ित ने बताया कि मारपीट के चलते वह बेहोश हो गया था। जब होश आया तो उन्होंने अपने सामने वाली फैक्ट्री के चौकीदार आवाज देकर बुलाकर मदद मांगी थी।

रिसोर्ट मलिक की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस रिसोर्ट सहित आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है।

पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले नीरज उधवानी की पार्थिव देह जयपुर लाई गई

जयपुर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में जान गंवाने वाले सीए नीरज उधवानी की पार्थिव देह बुधवार रात जयपुर लाई गई। एयरपोर्ट पर केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सांसद मंजू शर्मा सहित बड़ी संख्या में जयपुर वासियों ने नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

राठौड़ ने कहा कि जिस क्रूरता से बेगुनाहों को धर्म पूछकर मारा गया, उसने पूरी मानवता को झकझोर दिया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार इस जघन्य कृत्य के विरुद्ध कड़ा निर्णय लेगी जिससे पूरी दुनिया को यह संदेश जाएगा कि ऐसा कायराना हमला करने का क्या परिणाम होता है। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया है कि देश की शांति को भंग करने वाले इस जघन्य और कायरतापूर्ण अपराध के लिए जो भी जिम्मेदार है और जो पर्दे के पीछे से इसमें शामिल हैं, उनको बख्शा नहीं जायेगा।

आतंकी हमले में जान गंवाने वाले सी.ए.नीरज उधवानी की पार्थिव देह को जयपुर एयरपोर्ट पर उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ सहित अन्य नेताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की।

■ 'केन्द्र सरकार इस जघन्य कृत्य के विरुद्ध कड़ा निर्णय लेगी जिससे पूरी दुनिया को यह संदेश जाएगा कि ऐसा कायराना हमला करने का क्या परिणाम होता है'

संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने इस हमले को अत्यंत निंदनीय करार देते हुए कहा कि निहत्थे पर्यटकों पर किया गया यह आतंकी हमला कायरता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सरकार इस दुःखद घड़ी में शोक संतप्त परिजनों के साथ खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी।

जिला कलैक्टर के आदेश हवा : भीषण गर्मी व तेज़ धूप के कारण जिला कलैक्टर ने सभी स्कूलों में छोटे बच्चों को राहत देते हुए साढ़े ग्यारह तक छुट्टी करने के आदेश दिये लेकिन निजी स्कूल आदेश को नज़र अंदाज़ कर बच्चों को तपती दोपहर में 12 बजे बाद घर जाने को भेज रहे।

विधान मंडलों की समितियों के अध्ययन भ्रमण नवाचारों को साझा करने की अभिनव पहल : वासुदेव देवनानी

जयपुर। केरल विधान सभा की वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण संबंधी समिति ने बुधवार को राजस्थान विधान सभा का अध्ययन भ्रमण किया। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने समिति के सभापति और सदस्यों का स्वागत किया। देवनानी ने राजस्थान विधान सभा आये केरल की समिति के सभापति को विधान सभा का साहित्य भेंट किया। केरल समिति के सभापति ने अध्यक्ष देवनानी को शाल एवं केरल विधान सभा का साहित्य भेंट किया। केरल की इस समिति के सदस्यों के साथ देवनानी ने दोनों राज्यों की विधायी व्यवस्थाओं और परंपराओं पर चर्चा की। श्री देवनानी राजस्थान विधानसभा में किए गए नवाचारों की जानकारी दी। केरल की समिति के सदस्यों ने राजस्थान विधानसभा में किए गए विधायी नवाचारों को बेहतर बताया। देवनानी ने कहा कि देश की विभिन्न राज्यों की विधान मंडलों की समितियो के अध्ययन भ्रमण से विधान मंडलों की कार्य प्रणाली और विधायी प्रक्रियाओं में किए जा रहे नवाचारों को साझा करने की अभिनव पहल है।

केरल विधान सभा की वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण संबंधी समिति के अध्यक्ष के.पी. कुन्हम्मदकुट्टी मास्टर के नेतृत्व में समिति के सदस्य अहमद देवरकोइल, जॉब माइकल और माम्मीकुट्टी. पी ने राजस्थान विधान सभा प्रक्रियाओं, कार्यप्रणाली एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का अध्ययन किया। समिति ने विधान सभा का सदन, भवन और राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का अवलोकन किया।

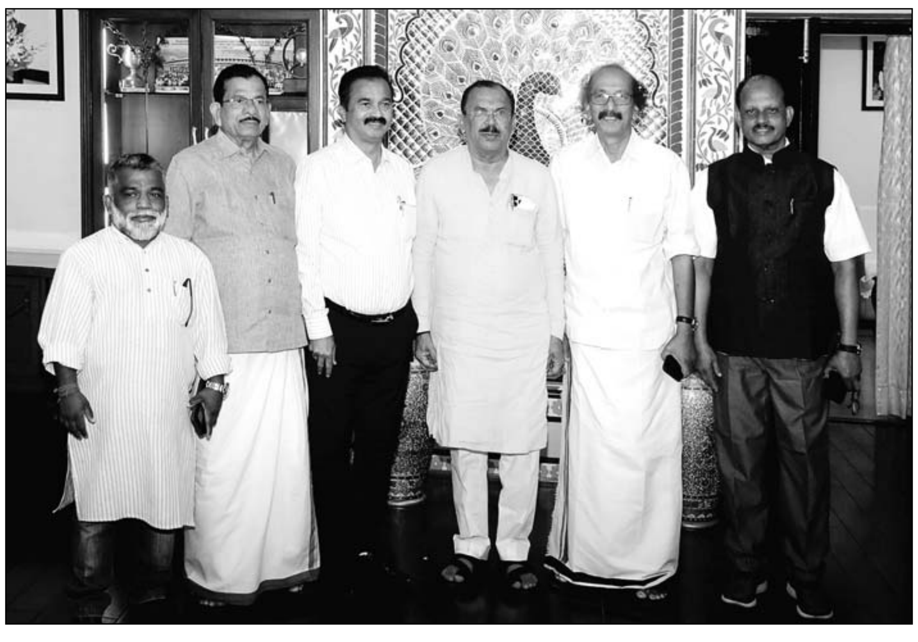

केरल विधान सभा की वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण संबंधी समिति ने राजस्थान विधानसभा का अध्ययन भ्रमण किया।

बांदीकुई से मेहंदीपुर बालाजी रूट पर अवैध परिवहन को लेकर मांगा जवाब

जयपुर। हाईकोर्ट ने दौसा जिले के बांदीकुई से मेहंदीपुर बालाजी रूट पर अवैध वाहनों के संचालन को लेकर परिवहन सचिव, आयुक्त, स्थानीय कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और जिला परिवहन अधिकारी सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश मिनी बस यूनियन, बांदीकुई के महासचिव कुलदीप सिंह यादव की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता उमेश व्यास ने बताया कि याचिकाकर्ता यूनियन के सदस्यों ने बांदीकुई से मेहंदीपुर बालाजी रूट पर वाहन चलाने के लिए परिवहन विभाग से परमिट ले रखा है। इसके तहत उन्हें इस रूट पर बस और अन्य वाहन चलाने की मंजूरी मिली हुई है। याचिका में कहा गया कि विगत कुछ माह से इस रूट पर अवैध वाहनों का संचालन बढ गया है। कई लोग निजी वाहनों में भी सवारियां ढो रहे हैं। वहीं कई वाहन बिना परमिट और क्षमता से अधिक सवारियों का परिवहन कर रहे हैं। इन वाहन संचालकों के पास परिवहन विभाग से वाहन चलाने की अनुमति नहीं है।

तीसरी संतान के कारण एसीपी का लाभ वापस लेने और रिकवरी करने के आदेश पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने तीसरी संतान होने के आधार पर कॉलेज शिक्षा विभाग के अधिकारी को पूर्व में दिए चयनित वेतनमान का लाभ वापस लेकर उसे तय समय के पांच साल बाद देने और इस अवधि में दी गई राशि की वसूली के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में कॉलेज शिक्षा आयुक्त सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश राजकुमार की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता अप्रैल, 2000 में कॉलेज शिक्षा विभाग में लिपिक नियुक्त हुआ था। उसकी नौ साल की सेवा पूरी होने पर उसे जून, 2010 में चयनित वेतनमान का लाभ दिया गया और मई, 2015 में उसे वरिष्ठ सहायक के तौर पर पदोन्नत किया गया। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने अक्टूबर, 2015 में एक परिपत्र जारी कर प्रावधान किया कि किसी भी कर्मचारी के दो से अधिक संतान होने पर उसे चयनित वेतनमान तय तिथि से पांच साल बाद दिया जाए। राज्य सरकार ने मई, 2024 में आदेश जारी कर उसे साल 2010 में दी गई एसीपी को निरस्त कर उसे साल 2015 से देने के आदेश दिए। इसके साथ ही इन पांच सालों में दिए गए भुगतान को अधिक बताकर उसकी रिकवरी निकाल दी। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि एसीपी निरस्त करने के आदेश से पूर्व न तो याचिकाकर्ता को नोटिस दिया गया और ना ही उसे सुनवाई का मौका मिला। वहीं उसे एसीपी का लाभ देते समय संबंधित परिपत्र अस्तित्व में ही नहीं था। ऐसे में परिपत्र को भूतलक्षी प्रभाव से लागू नहीं किया जा सकता। इसके अलावा राज्य सरकार स्वयं की पूर्व दो से अधिक संतान होने पर एसीपी के लाभ को पांच के बजाए तीन साल रोकने का परिपत्र जारी कर चुकी है। वही राज्य सरकार ने हाल ही में एक अन्य परिपत्र जारी कर प्रावधान किया है कि तीसरी संतान के आधार पर किसी कर्मचारी की एसीपी नहीं रोकी जाएगी। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने एसीपी रोकने और रिकवरी के आदेश पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

रिटायर कर्मचारी को आरजीएचएस स्कीम का लाभ देने के आदेश

जयपुर। हाईकोर्ट ने आरएसआरटीसी से रिटायर हुए कर्मचारी को आरजीएचएस स्कीम का लाभ देने का निर्देश देते हुए विभाग को कहा है कि वह 30 दिन में प्रार्थी के ब्लॉक किए गए कार्ड को भी एक्टिव करे। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह निर्देश भादरमल सैनी की याचिका पर दिया। अदालत ने कहा कि रिटायर कर्मचारी के कार्ड को आरएसआरटीसी की ओर से ब्लॉक करना मनमाना है।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने बताया कि राज्य सरकार ने साल 2021 में राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए कैश-लेस हेल्थ स्कीम शुरू की और बाद में इसे पेंशनर्स पर भी लागू किया। वहीं 19 जनवरी 2023 के आदेश से आरएसआरटीसी के रिटायर कार्मिकों को भी इस स्कीम के दायरे में लाया गया। प्रार्थी ने भी मई 2022 से नवंबर 2022 के दौरान कैश-लेस स्कीम का लाभ लिया, लेकिन विभाग ने इसे गलत बताते हुए प्रार्थी को 5,15,939 रुपए जमा करवाने के लिए कहा। रोडवेज प्रबंधन की कार्रवाई को प्रार्थी ने जब हाईकोर्ट में चुनौती दी तो उसका आरजीएसएच कार्ड ही ब्लॉक कर दिया गया।

पहलगांव में आतंकी हमला कायरतापूर्ण : डॉ. पूनिया

जयपुर। पहलगाम में कायराना आतंकी वारदात को लेकर भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने बयान जारी कर कहा कि, जम्मू कश्मीर के पहलगांव में आतंकी हमला कायरतापूर्ण और निंदनीय है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में भारत सरकार तथा भारत की सेना देश की एकता, अखंडता, सुरक्षा, मजबूती एवं स्वाभिमान के लिये प्रतिबद्ध है, जो आतंकवादियों, आतंकी सरगनाओं और हर आतंकी वारदात का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है और प्रत्येक भारतीय नागरिक की सुरक्षा मोदी सरकार के लिए महत्वपूर्ण है। पहलगाम आतंकी हमले के दिवंगतों को विनम्र श्रद्धांजलि और पीड़ित परिवारजनों को ईश्वर से संबल प्रदान करने एवं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। देश एवं नागरिकों की सुरक्षा मोदी सरकार के लिए प्राथमिकता है, इस कायराना आतंकी वारदात में शामिल किसी भी आतंकी को बक्शा नहीं जाएगा, यह प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और रक्षामंत्री ने देश को आश्वस्त किया है, इससे पहले भी मोदी सरकार के नेतृत्व में देश के बॉर्डर से लेकर सर्जिकल स्ट्राइक तक आतंकियों को ठिकाने लगाने में भारत की बहादुर सेना ने तत्परता दिखाई।

वहीं दूसरी ओर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले को अमानवीय कृत्य बताया है। उन्होंने कहा है कि यह मानवता के सिद्धांतों पर कायराना प्रहार है। देवनानी ने कहा है कि इस कायराना हमले में जयपुर के नीरज उधवानी सहित अनेक लोगों की मृत्यु पीड़ादायक है। इस हमले में जिन परिवारों ने अपनों को खोया है, उनके प्रति देवनानी ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की है।

भारत में आर्मेनिया के राजदूत ने कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ से की भेंट

जयपुर। भारत में आर्मेनिया के राजदूत वाहान आफयान ने बुधवार को उद्योग भवन में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ से भेंट की। इस अवसर पर आफयान ने प्रदेश में आयोजित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के सफल क्रियान्वयन के लिए उन्हें हार्दिक बधाई दी।

इस अवसर पर राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में राइजिंग राजस्थान ने वैश्विक मंच पर राजस्थान की उद्यमशीलता और नवाचार की क्षमता को प्रदर्शित किया है। कर्नल राठौड़ ने आर्मेनिया के साथ स्टार्टअप और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई।

बैठक में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की शासन सचिव एवं आयुक्त भी उपस्थित थीं।

बाल अधिकारों के संरक्षण के लिये कार्यशाला आज

जयपुर। बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव बाल अधिकारिता विभाग कुलदीप रांका ने बताया कि उपमुख्यमंत्री एवं बाल अधिकारिता मंत्री दिया कुमारी तथा बाल अधिकारिता राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार की उपस्थिति में राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा बाल अधिकारों के संरक्षण के संबंध में एक दिवसीय आमुखीकरण कार्यशाला गुरूवार को इन्दिरा गांधी पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास संस्थान में आयोजित होगी। उक्त कार्यशाला के अन्तर्गत बाल अधिकारों के संबंध में विभिन्न मुद्दों यथा बाल शोषण (पॉक्सो), बालश्रम, बाल स्वास्थ्य, जेजे एक्ट, बाल विवाह इत्यादि पर चर्चा की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि बाल अधिकार संरक्षण अधिनियम 2005 की धारा 17 के तहत एक सांविधिक निकाय होने के नाते राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग अपने गठन की सार्थकता को सिद्ध करते हुए विभिन्न अधिनियमों के तहत प्रदेश में बच्चों के अधिकारों की निगरानी, संरक्षण और संवर्धन के लिए पूर्ण निष्ठा एंव समर्पण भाव से निरंतर उत्साहपूर्वक कार्यरत है।

आयोग का प्रयास है कि बच्चों की आवाज को प्राथमिकता एवं ईमानदारी के साथ प्रत्येक स्तर पर सुना जा सके एवं सभी बच्चे अपना जीवन सम्मान के साथ जी सके। राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग राज्य में बच्चों हेतु मैत्रीपूर्ण वातावरण का निर्माण करने हेतु प्रयासरत है, ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके, तथा बच्चों एवं देश का भविष्य उज्ज्वल हो सके।

कार्यशाला में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, बाल अधिकारिता विभाग, बाल कल्याण समिति, शिक्षा विभाग, समेकित बाल विकास सेवाएं के विभिन्न अधिकारी सम्मिलित होंगे।

डॉ. शिल्पा राव रस्तोगी को डॉ. एस. राधाकृष्णन पुरस्कार

जयपुर। विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर के विधि विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. शिल्पा राव रस्तोगी को शोध प्रयास 2025-रिसर्च कॉन्क्लेव के समापन समारोह के अवसर पर प्रतिष्ठित डॉ. एस. राधाकृष्णन सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें विधि शिक्षा में उत्कृष्ट शिक्षण, छात्र मार्गदर्शन और उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए प्रदान किया गया।

इसके अतिरिक्त, डॉ. रस्तोगी को विश्वविद्यालय के शोध क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए शोध प्रोत्साहन भी प्रदान किया गया। उनके निरंतर प्रयासों ने विशेष रूप से विधिक अध्ययन के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के शैक्षिणक और शोध वातावरण को समृद्ध किया है। यह सम्मान प्रो. (डॉ.) एन.डी. माथुर (प्रेसिडेंट), प्रो. (डॉ.) डी.वी.एस. भगवानुलु (प्रो-प्रेसिडेंट), डॉ. प्रवीण चौधरी (रजिस्ट्रार), एवं डॉ. अमनदीप गिल (डीन - अनुसंधान एवं विकास) की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदान किए गए। नेशनल लॉ इंस्टिट्यूट यूनिवर्सिटी (एनएलआईयू), भोपाल की पूर्व छात्रा, डॉ. शिल्पा राव रस्तोगी ने मानवाधिकार एवं अंतरराष्ट्रीय कानून में एलएल.एम. तथा भारत में लैंगिक पहचान और यौन अभिविन्यास के मुद्दों पर पीएच.डी. प्राप्त की है। विधिक अकादमिक क्षेत्र में दस वर्षों से अधिक अनुभव रखने वाली डॉ. रस्तोगी को उनके विद्वत्तापूर्ण कार्य, शिक्षण में समर्पण तथा अगली पीढ़ी के विधिक पेशेवरों के मार्गदर्शन में उनके नेतृत्व के लिए व्यापक रूप से सराहा जाता है।

डॉ.शिल्पा राव रस्तोगी

'जूनियर लीगल ऑफिसर पद पर नियुक्ति देने पर विचार करे हाउसिंग बोर्ड'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हाउसिंग बोर्ड की जूनियर लीगल ऑफिसर भर्ती-2023 के मामले में याचिकाकर्ता को ओबीसी श्रेणी में सभी परिलाभ सहित नियुक्ति देने पर विचार करने के लिए कहा है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश जसलोक यादव की याचिका को मंजूर करते हुए दिया।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता कुणाल रावत ने बताया कि हाउसिंग बोर्ड ने साल 2023 में जूनियर लीगल ऑफिसर के पद की भर्ती निकाली थी। इसमें याचिकाकर्ता ने भी भाग लिया और ओबीसी श्रेणी में 60 फीसदी अंक लाकर परीक्षा पास की। इसके बावजूद विभाग ने ओबीसी श्रेणी में याचिकाकर्ता का चयन और नियुक्ति देने की बजाय सामान्य वर्ग के अभ्यर्थी का चयन करते हुए उसे नियुक्ति दे दी। इसे प्रार्थी ने हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि जब ओबीसी श्रेणी में प्रार्थी मौजूद था तो इस श्रेणी के पद को सामान्य अभ्यर्थी से भरना गलत है। इसलिए उसे ओबीसी श्रेणी में नियुक्ति दी जाए। अदालत ने प्रार्थी पक्ष की दलीलों से सहमत होकर प्रार्थी की नियुक्ति पर हाउसिंग बोर्ड को विचार करने के लिए कहा है।

'राजकीय अस्पतालों में मा योजना का होगा प्रभावी संचालन'

जयपुर। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के सफलतापूर्वक संचालन एवं क्लेम की प्रक्रिया एवं भुगतान को सुगम बनाने के संबंध में सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के सभागार में बुधवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में एसएमएस मेडिकल कॉलेज से सम्बद्ध चिकित्सालयों, आरयूएचएस अस्पताल, जयपुरिया चिकित्सालय एवं राजस्थान के समस्त सरकारी चिकित्सालयों के प्रभारियों ने भाग लिया।

■ 'दावा प्रक्रिया होगी और सुगम, राजकीय अस्पतालों का राजस्व बढ़ेगा'

कार्यशाला को संबोधित करते हुए चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने कहा कि आमजन को इलाज के खर्च से चिंतामुक्त करने की दिशा में राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना लागू की है। इसके माध्यम से प्रदेश के करीब 1800 निजी एवं राजकीय अस्पतालों में 25 लाख रुपए तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आमजन को इस योजना का पूरा लाभ मिले और राजकीय अस्पतालों में क्लेम की प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए आज इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रियंका गोस्वामी ने कहा कि मा योजना राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इससे प्रदेश के करीब 1 करोड़ 32 लाख परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। राज्य सरकार ने इस योजना के दायरे को लगातार बढ़ाया है। अब इस योजना में सामान्य बीमारियों से लेकर रोबोटिक सर्जरी की सुविधा उपलब्ध है। प्रतिदिन करीब 8 हजार रोगी इस योजना का लाभ ले रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि अस्पताल के अधिकारियों एवं कार्मिकों को इस योजना के हर प्रावधान के बारे में विस्तृत जानकारी हो, ताकि क्लेम के भुगतान में किसी तरह की बाधा नहीं आए।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के सफलतापूर्वक संचालन एवं क्लेम की प्रक्रिया एवं भुगतान को सुगम बनाने के संबंध में सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के सभागार में बुधवार को प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

पोषण पखवाड़ा का हुआ आयोजन

जयपुर। पोषण अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा जिला स्तरीय पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया गया। मंगलवार को जवाहर कला केन्द्र में पोषण पखवाड़ा का समापन समारोह आयोजित किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग के शासन सचिव महेन्द्र कुमार सोनी ने समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर विभाग के निदेशक ओम प्रकाश बुनकर द्वारा पोषण पखवाड़ा में बनाई जा रही गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की। अनुपमा टेलर अतिरिक्त निदेशक (पोषाहार) ने पोषण ट्रैकर पर की जा रही विभागीय एंट्री की समीक्षा की।

महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक अरशदीप बरार ने बताया कि राष्ट्रीय मिशन पोषण 2.0 के उद्देश्य सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार तथा सामुदायिक लामबंद रणनीतियों के माध्यम से पोषण परिणामों को बढाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय पोषण पखवाड़े का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित जीवन के पहले 1000 दिनों पर ध्यान केन्द्रित करना, पोषण टैंकर मे लाभार्थी मॉडयूल का लोकप्रियकरण करना सीएमएएम मॉडयूल के माध्यम से कुपोषण का प्रबंधन करना तथा बच्चों में मोटापे से निपटने के लिए स्वस्थ जीवनशैली की थीम निर्धारित की गई।

कृषि विभाग की बजट घोषणाओं को तय समयावधि में करें पूरा : राजन विशाल

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल की अध्यक्षता में पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में बुधवार को कृषि विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि बजट घोषणाओं के अनुसार सभी योजनाओं को तय समयावधि में पूर्ण करें। शासन सचिव ने कहा कि बजट में शामिल घोषणाओं के क्रियान्वयन में आ रही परेशानियों को दूर कर प्रभावी रूप से धरातल पर लागू करें। योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक कृषकों को लाभ पहुंचाये, जिससे किसान योजनाओं का लाभ लेकर अपनी पैदावार में वृद्धि कर सकेंगे।

बैठक में फार्म पौण्ड, डिग्गी, सिंचाई पाईप लाईन, कृषि यंत्र, तारबंदी, गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना, वर्मी कम्पोस्ट इकाई, बीज मिनिकिट वितरण सहित अन्य योजनाओं पर विस्तार से समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

■ 'बजट में शामिल घोषणाओं के क्रियान्वयन में आ रही परेशानियों को दूर कर प्रभावी रूप से धरातल पर लागू करें'

राजन विशाल ने सभी अधिकारियों को ई-फाईल निस्तारण का औसत समय और कम करने के लिए कहा। सभी सीनियर अधिकारियों को अपने अधीनस्थ कर्मचारियों का ई-फाईल डिस्पोजल टाईम समय-समय पर चैक करने के निर्देश प्रदान किये।

बैठक में आयुक्त कृषि सुश्री चिन्मयी गोपाल, निदेशक आत्मा डॉ. सुवालाल जाट, वित्तीय सलाहकार कृषि अचलेश्वर मीना, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) एस.एस. शेखावत, अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) गोपाल लाल जाट, अतिरिक्त निदेशक कृषि (प्रशासन) डॉ. हुशियार सिंह सहित सम्बन्धित योजना प्रभारी अधिकारी मौजूद रहे।

परशुराम जयंती पर महिलाओं बच्चों एवं पुरुषों के कार्यक्रम 26 से

श्री परशुराम जन्मोत्सव 2025 के आयोजन के संदर्भ में 26 अप्रैल से बच्चों के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

ब्यावर (निसं) ब्राह्मण समाज ब्यावर द्वारा आयोजित श्री परशुराम जन्मोत्सव 2025 के आयोजन के संदर्भ में 26 अप्रैल से बच्चों के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। महिला वर्ग में संयोजक अंजली शर्मा सहसंयोजक लक्ष्मी भारद्वाज, ममता गील,रानू जोशी और संतोष खांडल को बनाया गया है ,महिला कार्यक्रमों की संयोजक अंजलि भार्गव ने जानकारी देते हुए बताया की 26 अप्रैल को 3:00 बजे से बच्चों के कार्यक्रम विचित्र वेशभूषा जिसमें 1 से 3 वर्ष का विषय, देवी देवताओं के स्वरूप, 4 से 6 वर्ष के बच्चों का विषय आदर्श व्यक्तित्व, 7 से 8 वर्ष के बच्चों का विषय सामाजिक संदेश रखा गया है इसके पश्चात 4 से 5 वर्ष तक के बच्चों के लिए स्टोनरेस 9 से 11 वर्ष तक के बच्चों के लिए 3 लैग रेस रखी गई है खेल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत ही 11 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए बोरा रेस 5 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए किस में कितना है दम आदि प्रतियोगिताएं रखी गई है बच्चों के कार्यक्रम के प्रभारी आरती शर्मा आरती शर्मा राधिका जोशी अनीता शर्मा ज्योति दूध आदित्य शर्मा ममता गिल कविता लता शर्मा प्रेरणा तिवारी सुलक्षणा शर्मा सुनीता शर्मा लता प्रमोद शर्मा अंजलि भारद्वाज भार्गव लक्ष्मी भारद्वाज को बनाया गया है,इसके पश्चात 27 अप्रैल को को 12 से 3:00 तक बिना आपके व्यंजन बनाना कैसे सजा मेहंदी प्रतियोगिता सलाद सज्जा आदि प्रतियोगिताएं रखी गई है इसके पश्चात 5:00 बजे से संस्कृतिक कार्यक्रम रखे गए हैं जिसमें सर्वप्रथम गणेश स्तुति से प्रारंभ किया जाएगा फिर भगवान परशुराम के जीवन पर प्रकाश डालने के लिए विभिन्न आयु वर्ग के सदस्यों को 2 मिनट का समय दिया जाएगा इसके पश्चात एकल नृत्य युगल नृत्य समूह नृत्य सभी वर्गों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित होगी इसके पश्चात गायन सभी वर्गों के लिए मोना एक्टिंग एवं मिमिक्री आदि कार्यक्रम रखे गए हैं इसके पश्चात लघु नाटिका का मंचन होगा, इन कार्यक्रमों के प्रभारी सावित्री शर्मा सुनीता शर्मा , नीना बालेसरा ,रागिनी शर्मा, रजनी चतुर्वेदी प्रभा शर्मा अनु डंडायत,रेनू भार्गव, मोनिका कौशिक, संतोष शर्मा, प्रीति शर्मा, निधि शर्मा, लक्ष्मी भारद्वाज, रजनी चतुर्वेदी, रागिनी शर्मा, अंजलि भार्गव ,कविता अनुपम पांडे ,अनीता शर्मा, आदि होंगेजन्मोत्सव आयोजन समिति के संयोजक मनोज शर्मा ने बताया कि दिनांक 28 अप्रैल को पुरुषों के लिए विभिन्न कार्यक्रम रखे गए हैं जिसमें कराओके सिंगिंग इसके प्रभारी वृत्त्युंजय आर्य और कुंज बिहारी शर्मा है, साफा बांधना प्रतियोगिता के प्रभारी विजय पारीक है मटका फोड़ के प्रभारी रवि डंडायत हैं ,रस्सा कसी के प्रभारी एडवोकेट अजय शर्मा और भुवनेश शर्मा है, इन कार्यक्रमों के पश्चात वरिष्ठ जनों के कार्यक्रम रखे गए हैं और मोटिवेशन ट्रेनर के रूप में अपनी मोटिवेशनल स्पीच दे सकेंगे, 28 अप्रैल को ही 8:30 बजे एक भव्य विशाल भजन संध्या एक शाम परशुराम जी के नाम आयोजित करी गई है, इसे इसे चिराग म्यूजिकल ठ्रुप के द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें जयपुर के भजन गायक सागर शर्मा और अजमेर की भजन गायिका राजकुमारी शर्मा विशेष आकर्षण होंगे इसके अतिरिक्त ब्यावर के मनोज शास्त्री ,शुभम शर्मा, प्रवीण शर्मा, मयंक वैष्णव भी अपनी प्रस्तुतियां देंगे इसके प्रभारी विजय कुमार शर्मा ,सुनील शर्मा, और मनोज शास्त्री को बनाया गया है सभी कार्यक्रम परशुराम भवन पर आयोजित किए गए हैं और समाज के सोशल मीडिया ठ्रुप पर फोन नंबर उपलब्ध है जिन पर नाम लिखवाया जा सकते हैं नाम लिखवाने की अंतिम तारीख 24 अप्रैल 2025 है,दिनांक 29 अप्रैल को साइन साइन 4:15 बजे से विशाल शोभायात्रा और वाहन रैली का आयोजन रखा गया है जिसका की प्रारंभ गुर्जर गोड छात्रावास से होगा।श्री परशुराम जन्मोत्सव के सभी कार्यक्रमों को भव्य बनाने तथा विशाल शोभायात्रा में समाज के प्रत्येक सदस्य की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए परशुराम भवन में बैठक का आयोजन कर विचार विमर्श किया गया।इस बैठक में नरेंद्र शर्मा, पंकज शर्मा, मनोज शर्मा, परमेश्वर पारीक, गोपाल शर्मा, राजेश त्रिपाठी, महेंद्र कुमार शर्मा, राजेश शर्मा, शंभू दयाल व्यास, अनिल पाराशर, ओर अन्य उपस्थित रहे।

विश्व पुस्तक दिवस: रीड यूअर वे थीम पर हुए कार्यक्रम

- **बच्चों ने कागज पर उकेरी रचनात्मक कल्पनाएं**

अजमेर, (कांस)। राजस्थान महिला कल्याण मंडल द्वारा संचालित सागर कॉलेज व मीनू स्कूल चाचियावास में विश्व पुस्तक दिवस मनाया गया। कार्यक्रम थीम रीड युअर वे (अपने तरीके से पढ़ें) पर हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अनुराग सक्सेना संयुक्त निदेशक, नेमीचन्द वैष्णव लेखाधिकारी, नानूलाल प्रजापति उपनिदेशक आजीविका एवं बाल अधिकार, डॉ. भगवान सहाय शर्मा उपनिदेशक एचआरडी, पद्मा चौहान फेकल्टी ने मां सरस्वति एवं संस्था संस्थापक स्व. सागरमल कौशिक के चित्र पर माल्यार्पण एवं उनके समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

बच्चों ने प्रतियोगिता में लिया भाग:विश्व पुस्तक दिवस के उपलक्ष में सागर कॉलेज के विद्यार्थियो ने सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, भाषण एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लिया। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर बीएड विशेष शिक्षा के अभिषेक दाधीच, द्वितीय बसंत नवाल, तृतीय हर्षिता शर्मा ,वं भाषण प्रतियोगिता में प्रथम सुमन कंवर, द्वितीय दिव्यांशु गुर्जर, तृतीय दिलखुश वैष्णव तथा पोस्टर मेकिंग में प्रथम मेहजबीन बानो, द्वितीय पायल शर्मा, तृतीय पूजा गुर्जर रही। मीनू स्कूल में दिव्यांग बच्चों द्वारा पुस्तक दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता में विभिन्न प्रकार के चित्र उकेरे गए व उन्हें रंगों से सजाया, चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कुनाल, द्वितीय तमन्ना, तृतीय सुखपाल ने प्राप्त किया। विजेता रहे सभी विजेताओं को पारितोषिक प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. अनुराग सक्सेना ने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय में अलग अलग विषयों की कई पुस्तके हैं। बच्चों में शुरूआत से ही पुस्तक अध्ययन में रूची होने से स्वाध्याय व नैतिक गुणों का विकास होता है व भाषा ज्ञान भी बढता है।

प्रगति परियोजना 25 को

मसूदा (निसं)। कार्यक्रम की वरिष्ठ अधिकारी नमिता शर्मा ने बताया कि ब्लॉक स्तरीय बैठक वह प्रगति परियोजना 25 अप्रैल शुक्रवार सुबह 11 बजे मसूदा स्थित रांका रिसोर्ट बांदनवाड़ा रोड पर संस्था अर्थात आर सी डी समाज सेवी संस्था वर्ष 19 राजस्थान के विभिन्न जिलों के वंचित, सीमांत एवं सामाजिक रूप से पिछडे समुदाय को सशक्त कन दिशा में कार्यरत है।

वर्तमान में संस्था द्वारा राजस्थान के 10 जिलों में 866 गांव, के 30 हजार परिवार साथ ग्रामीण एवं स्थायी आजीविका महिला एवं बाल विकास शिक्षा कौशल विकास, सामुदायिक स तथा आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में विभ्भिन परियोजना का संचालन किया जा रहा है। इसी दिशा में संस्था ब्यावर जिले में उपखंण्ड क्षेत्र मसूदा के 65 गांवों में बेहतर शिक्षा, स्थायी आजीविका एवम् सशक्तिकरण पर कार्य कर रहीं है। इन सभी प्रयासों में सरकारी योजनाओं का जुडाव हमारी मुख्य रणनीतिऔर जवाबदेही है, जिसे पुर्ण करने में हमें सरकारी तंत्र के यथा सम्भव सहयोग की आवश्यकता जिसके उपरांत ही हमें मिलकर वंचित वर्ग का अर्थपूर्ण विकास से जुडाव करवा सकते है। संस्थ दिनांक 01 नवम्बर 2019 से निरन्तर, मसूदा ब्लॉक में उन्नति परियोजना के अन्तर्गत 17 राजस्व ठाा अति गरीब व पिछडी महिलाओं के लिए बकरी पालन आधारित स्थायी आय, बेहतर स्वास्थ्य तथा सरकारी योजनाओं व सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करने की दिशा में कार्यरत हैं। इस कार्यक्रम की ब्लॉक स्तरीय बैठक व प्रगति परियोजना कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

सब सेंटर तक हैल्थ इंडीकेटर्स से जुड़े लक्ष्यों को पूरा करें: डॉ. सैनी

- **मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.के. सैनी ने ली रियांबड़ी ब्लॉक की समीक्षा बैठक**
- **राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रियांबड़ी में हीट वैव प्रबंधन की व्यवस्थाओं को देखा**

नागौर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जुगल किशोर सैनी ने बुधवार को जिले के रियांबडी ब्लॉक की समीक्षा बैठक ली। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से गांव-ढाणी तक आयुष्मान भारत की संकल्पना को साकार करने के निर्देश दिए गए है, जिसके लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से जुड़े हर कार्मिक को धरातलीय स्तर पर काम करने की जरूरत है।

इसके लिए उप स्वास्थ्य स्तर पर सृदृढ़ एवं गुणवत्तापरक चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए जो हैल्थ इंडीकेटर्स निर्धारित किए गए हैं, उनसे जुड़े लक्ष्यों को पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि हीट वैव हीट वैव से बचाव को लेकर राज्य सरकार की ओर से गाइड लाइन के मुताबिक प्रबंध रखे जाएं। चिकित्सा संस्थानों में हीट वैव से बचने के लिए माकूल व्यवस्थाएं रहें। यह सुनिश्चित कर लें कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के साथ-साथ ब्लॉक में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तर तक लगे हुए एसी, कूलर व पंखे तथा पेयजल के लिए वाटर कूलर चालू सही स्थिति में काम कर रहे है। सीएचसी से लेकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर तक चिकित्सा संस्थानों में हीट वैव से ठासित मरीजों के उपचार में आवष्यक दवाईयां और ओआरएस उपलब्ध हो। बैठक से पूर्व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रियांबड़ी में हीट वैब से बचाव को लेकर किए गए प्रबंधन में निर्धारित वार्ड और वहां की गई कुलर, पेयजल, दवाईयां, आईईसी इत्यादि माकूल व्यवस्थाओं को देखा और संतोष व्यक्त किया। खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. चैनाराम द्वारा श्लाइड प्रजेंटेशन के जरिए प्रस्तुत की गई रियांबड़ी ब्लॉक की प्रगति रिपोर्ट का अवलोकन करने के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जुगल किशोर सैनी ने कहा कि चिकित्सा अधिकारी से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी व एएनएम तक अपने से जुड़े कर्तव्यों को पूर्ण निष्ठा के साथ पूरा करते हुए लक्ष्यों की पूर्ति करें। काम में कोताही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लॉ परफोरमेंस वाले चिकित्सा संस्थानों पर पूर्ण गुणवत्ता के साथ इंडीकेटर्स को पूरा किया जाए। बच्चे से लेकर वृद्धजन तक स्वस्थ रहे, ऐसी सरकार की भावना है और उसे पूरा करना हर चिकित्सक व चिकित्साकर्मी का दायित्व। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कार्यक्रमों की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान, एमसीएचएन डे को सफलतापूर्वक आयोजित करने और अधिक से अधिक गर्भवती महिलाओं को बेहत्तर स्वास्थ्य सेवाएं दिए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सब सेंटर लेवल पर एएनसी रजिस्ट्रेशन बढ़ाने, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर उप जिला अस्पताल एवं जिला अस्पताल स्तर तक संस्थागत प्रसव को और अधिक बढ़ावा देने, नियमित टीकाकरण का लाभ सभी शिशुओं को प्रदान करने तथा परिवार कल्याण कार्यक्रम के निर्धारित टारगेट पूरे करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के टीकाकरण की एंट्री यूविन एप पर आवश्यक रूप से की जाए। डॉ. सैनी ने निर्देश दिए कि 30 वर्ष से कम उम्र वाले व्यक्तियों की शत-प्रतिशत बीपी व शुगर जांच करने और इसको ऑनलाइन करने के लिए काम में प्रगति लाई जाए। इसके लिए सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी व एएनएम पूर्ण लक्ष्य निर्धारित कर काम करें और संबंधित प्रभारी चिकित्सा अधिकारी उनकी मॉनिटरिंग करें। राष्ट्रीय टीबी नियंत्रण कार्यक्रम की प्रगति रिपोर्ट का अवलोकन करने के बाद सीएमएचओ डॉ. सैनी ने निर्देश दिए।

कार्यालय नगर निगम अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/भवन/25-26/23 **आपत्ति सूचना** दिनांक: 15/4/2025

श्री रामकिशन तेली पुत्र श्री चांदमल निवासी बी.के. कॉल नगर अजमेर द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी.नं. 599/44 जो फाईसागर रोड अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 116.78 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2023 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएँ निम्नानुसार है।

पूर्व : आम रास्ता गली — पश्चिम : रामस्वरूप तेली की सम्पति

उत्तर : फाईसागर रोड — दक्षिण : रामकिशन तेली का भूखण्ड

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/भवन/25-26/32 **आपत्ति सूचना** दिनांक: 23/4/2025

श्री राकेश कुमावत पुत्र श्री राधेश्याम कुमावत निवासी धोलाभाटा हाउसिंग कॉलोनी अजमेर द्वारा एक भूखण्ड संख्या 08 जो कि खसरा नं. 8140 व 8164 का भाग है जो वाके थोक मालियान तृतीय बंशीवाला रोलिंग मील के पास बालूपुरा रोड आदर्श नगर अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 107.30 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 दो अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएँ निम्नानुसार हैं।

पूर्व : क्रेता का खरीदशुदा भूखण्ड संख्या 28 — पश्चिम : खसरा भूमि का शेष भाग

उत्तर : भूखण्ड संख्या 09 — दक्षिण : खाली जमीन

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/भवन/25-26/33 **आपत्ति सूचना** दिनांक: 23/4/2025

श्री मुदसर नजर पुत्र श्री हाजी सैयद अहमद निवासी सैयद मीनार मजिस्द के पास चमनपुरा मकराना जिला नागौर द्वारा एक भूखण्ड संख्या 10 जो कि खसरा नं. 8140 व 8164 का भान है जो वाके थोक मालियान तृतीय बशीवाला रोलिग मील के पास बालूपुरा रोड आदर्श नगर अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रपाल 107.30 व.मी. है। भूमि के वर्तमान नास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इन्न कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएँ निम्नानुसार हैं।

पूर्व : क्रेता का खरीदशुदा भूखण्ड संख्या 26 — पश्चिम : खसरा भूमि का शेष भाग

उत्तर : 25 फीट चौडी रोड — दक्षिण : भूखण्ड संख्या 09

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय ग्राम पंचायत टोकरवाड़, पंचायत समिति हुरड़ा, जिला-भीलवाड़ा

क्रमांक: **निविदा सूचना 2025-26** दिनांक:

ग्राम पंचायत टोकरवाड पंचायत समिति हुरडा की और से विभिन्न कार्यो हेतु पंचायत की FFC/SFC के उपयुक्त श्रेणी में विभिन्न राजकीय एवं मान्यता प्राप्त पंजिकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित विकास कार्यो की मोहर बन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धी सभी शर्ते कार्यालय समय में ग्राम पंचायत टोकरवाड़ में देखी जा सकती है।

UBN NO-ZBL2526WSRC00219 TO ZBL2526WSRC002377

NIB NO- ZBL2526A0084

सरपंच, ग्राम पंचायत, टोकरवाड़, पं.स.हुरड़ा, जिला-भीलवाड़ा

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत, टोकरवाड़, पं.स.हुरड़ा, जिला-भीलवाड़ा

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर, जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक: न.पा.बि./निर्माण.स्वी./2025/264 दिनांक:23.04.2025

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है अगर किसी को आपति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद, गुजरने पर कोई उज्ज/आपति मान्य नहीं होगी।

फाईल नं.	आवेदक का नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
6	भरत लाल शर्मा पुत्र मोहन लाल शर्मा	केकड़ी रोड राजनगर बिजयनगर आबादी प्लाट	20.48 SQ.MTR	मिश्रित
7	भरत लाल शर्मा पुत्र मोहन लाल शर्मा	केकड़ी रोड राजनगर बिजयनगर आबादी प्लाट	29.89 SQ.MTR	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगर निगम अजमेर

क्रमांक : योजना/2024-25 /66 **सार्वजनिक सूचना** दिनांक: 23/4/25

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री तारावन्द खुबवन्दानी पुत्र श्री नारायण वास निवासी - 2 ख 6. आरएचबी कॉलोनी, वैशाली नगर, अजमेर के द्वारा नगर निगम की अजय नगर आवासीय योजना के आवासीय भूखण्ड संख्या 34 क्षेत्रफल 50 वर्गगज को अपने नाम से नामान्तरण करवाये जाने वारुत दस्तावेज संलग्न कर आवेदन सं.LSG/AJMER/MUT/2023-24/125122 दिनांक 28.03.2025 को मानान्तरण हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रतुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेजों के अनुसार उक्त भूखण्ड मूल आवंटी श्रीमती लीला देवी पत्नी श्री नारायण दास नाम से दर्ज है जिसका आवंटन पत्र संलग्न किया गया है। श्रीमती लीला देवी का स्वर्गवास दिनांक 01.02.2005 एवं श्री नारायण खुबधन्दानी का स्वर्गवास दिनांक 09.04.1998 को हो चुका है। जरिये सजरा प्रभाण पत्र के आधार पर श्री तारावन्य खुबधन्दानी विधिक वारिस है। उपरोक्त वारिस ने जरिये शपथ पत्र दिनांक 07.04.2025 द्वारा नामान्तरण चाहा गया है। उक्त प्रकरण का निष्पादन राजस्थान नगर पालिका आधिनियम 2009 की धारा 118 के तहत आवेदित है जिसका निष्पादन धारा 118 के तहत प्रक्रियाधीन किया गया है। इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आपति प्रकाशन से 07 कार्य दिवत के लिए आवेदन के साथ प्रस्तुत दस्तावेजों को नगर निगम कार्यायल की योजना शाखा में देखने/पढ़ने के लिए खुला रखा गया है इस अवधि में किसी भी हितबद्ध व्यक्ति / आग खास को कोई आपति उज्ज हो हो सूचना के प्रकाशन से 07 कार्य दिवस में मय पुख्ता दस्तावेजों के सा थ अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है बाद मियाद नियमानुसार प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा। (कीर्ति कुमावत)

उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर परिषद् किशनगढ़ (अजमेर) राजस्थान

क्रमांक -न.प.कि/कृषि भूमि नियमन /2025/100 **लोक सूचना** दिनांक : 19.4.2025

आवेदक श्री काना पुत्र कज्जा 2. हरिराम पुत्र श्री कज्जा निवासी ग्राम जाटली तहसील अजमेर जिला अजमेर के द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित कृषि भूमि का गैर कृषिक प्रयोजनार्थ (आवासिय प्रयोजनार्थ) उपयोग परिवर्तन हेतु इस भूमि को अपने अभिवृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन किया है, अर्थात

क्र सं.	जिले का नाम व तहसील	राजस्व ग्राम का नाम एंव खसरा नं	क्षेत्रफल रकबा / भूखण्ड संख्या	प्रस्तावित कृषि भूमि नियमन
1.	जिला अजमेर तहसील अजमेर	जाटली 1018 का भाग	0.3340 हेक्टेयर	गैर कृषि प्रयोजनार्थ

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्योक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिवृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञान प्रदान करने और अभिधृति अधिकारो के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो यह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मोहर के अधीन आज 19/4/25 को जारी कि गई है।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद, किशनगढ़

NAME CHANGE

I, Subas Chandra Sahoo father's of Army No.15162246H, HAV, Subrat Kumar Sahoo, Residing at Vill-Madhusudanpur, Po-Arnapal, Tehsil & Distt- Bhadrak, Odisha, 756116 have change my name from Subas Chandra Sahoo to Subash Chandra Sahoo vide affidavit No CA920223 Dt 23/04/2025 at court campus Nasirabad

कार्यालय नगर निगम अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/भवन/25-26/35 **आपत्ति सूचना** दिनांक: 23/4/2025

श्री सतीश जैन पुत्र कपूरचन्द जैन निवासी हवाई अड्डा रोड नीमच (म.प्र.) द्वारा एक भूखण्ड संख्या 09 जो कि खसरा नं. 8140 व 8164 का भाग है जो वाके थोक मालियान तृतीय बंशीवाला रोलिंग मील के पास बालूपुरा रोड आदर्श नगर अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 107.30 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएँ निम्नानुसार हैं।

पूर्व : क्रेता का खरीदशुदा भूखण्ड संख्या 27 — पश्चिम : खसरा भूमि का शेष भाग

उत्तर : भूखण्ड संख्या 10 — दक्षिण : भूखण्ड संख्या 08

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

आम सूचना

मेरे पिता कालू खा पुत्र कलजी खा जाति देशवाली निवासी गांव कुचील, तहसील किशनगढ़ जिला अजमेर का स्वर्गवास दिनांक 01 मई 1984 को हो गया है, जिनका मृत्यु प्रमाण पत्र पूर्व में नहीं बनाया। इस संबंध किसी व्यक्ति को उजर एतराज अथवा आपत्ति हो तो तहसीलदार किशनगढ़ के समक्ष मय दस्तावेज 7 दिवस के भीतर संपर्क करें।

प्रार्थी-वजीर खा पुत्र कालू खा

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ़ जिला-अजमेर (राज.)

क्रमांक: नपकि/PWC/BPAS-2338/2024/387 **आम सूचना** दिनांक: 23/4/2025

सर्व साधारण सूचित किया जाता है कि श्री पवन शर्मा पुत्र स्व. श्री राम प्रसाद शर्मा ग्राम मदनगंज, खसरा संख्या 717 के भूखण्ड सं. 17-ए का कुल क्षेत्रफल 102.66 वर्गगज बैंक ऑफ बडौदा की गली भाट मौहल्ला मदनगंज किशनगढ जिला अजमेर राजस्थान पर आवासीय निर्माण स्वीकृति चाहने हेतू आवेदन प्रस्तुत किया है।

पूर्व : भूखण्ड सं. 17 — पश्चिम : 30 फीट चौडा रास्ता

उत्तर : अन्य — दक्षिण : भूखण्ड सं. 17-बी

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/ संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा ।

उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

आम सूचना

मेरी बहन काली पत्नि सतनाराण जाति जाट निवासी ग्राम गोली की मृत्यु दिनांक 5.3.2008 को निवास स्थान ग्राम गोली में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत सिरोज में नहीं करवाया था। अब मैं मेरी बहन काली का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अराई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने बाबत जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मयदस्तावेज स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति तहसीलदार के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

प्रार्थी- रामनारायण पुत्र हरजीराम जाट, जाति जाट बानो का मोहल्ला नि. धान्धोली, जिला जयपुर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति द्वारा निष्पादित वसीयतनामें के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की कोटडा आवासीय योजना के आवासीय भूखण्ड संख्या 1417 क्षेत्रफल 90 व.मी. के आवंटी श्री हरिकिशन सोनी पुत्र श्री श्रीकिशन निवासी गुर्जर गुवाडी, इमली मौहल्ला अजमेर की मृत्यु दिनांक 03/02/2019 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा वसीयतनामा (पंजीकृत दिनांक 18/01/2007) सलंग्न कर मृतक द्वार निष्पादित वसीयतनामें के आधार पर नामान्तरण हेतु श्री श्याम सुन्दर पुत्र श्री चम्पालाल मुन्दड़ा निवासी 575 बी. के. कौल नगर, अजमेर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें उक्त नियति अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं व आवेदक के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण,अजमेर

कार्यालय ग्राम पंचायत अंटाली पंचायत समिति हुरड़ा

क्रमांक: ग्रा.प.खे/एसबीएम-जी/निविदा/2025/9 दिनांक: 08/4/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 01/2025-26

ग्राम पंचायत अंटाली में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा) योजना एंव ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की योजनाओं में ग्राम पंचायत के समस्त गांवों में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्करण, सडक एवं नाली सफाई तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसरों कि सफाई कार्यों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए श्रम कार्य एवं उपकरण उपलब्ध करवाने हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012, राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 एवं राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियमों के तहत वाणिज्यिक कर/जीएसटी विभाग में पंजीकृत ऐसे विनिर्माता (ओ), विक्रेता (ओ) आपूर्तिकर्ता (ओ) जो किसी भी राजकीय संस्थान / उपक्रमो से बोली लगाने से विवर्जित/ब्लेक लिस्टेड नहीं हो, से ई-टेन्डरिंग की प्रक्रिया द्वारा निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा की तिथियाँ, समय व अन्य शर्ते एवं निविदा में सम्पादित करवाये जाने वाले कार्यों की राशि एवं अन्य विस्तृत विवरण ग्राम पंचायत मुख्यालय में कार्यालय समय एवं राज्य लोक उपापन पोर्टल http:\\sppp.rajasthan.gov.in व http:\\eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल पर अवलोकन की जा सकती है।

NIB NO-ZBL2526A0088

UBN NO-ZBL2526WSOB00240

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अंटाली, पं.स.हुरडा, जिला -भीलवाड़ा

प्रशासक, ग्राम पंचायत अंटाली, पं.स.हुरडा, जिला -भीलवाड़ा

कार्यालय ग्राम पंचायत खेजडी पंचायत समिति हुरड़ा

क्रमांक: ग्रा.प.खे/एसबीएम-जी/निविदा/2025/SP-1 दिनांक: 08/4/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 01/2025-26

ग्राम पंचायत खेजडी में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा) योजना एंव ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की योजनाओं में ग्राम पंचायत के समस्त गांवों में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्करण, सडक एवं नाली सफाई तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसरों कि सफाई कार्यों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए श्रम कार्य एवं उपकरण उपलब्ध करवाने हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012, राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 एवं राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियमों के तहत वाणिज्यिक कर/जीएसटी विभाग में पंजीकृत ऐसे विनिर्माता (ओ), विक्रेता (ओ) आपूर्तिकर्ता (ओ) जो किसी भी राजकीय संस्थान / उपक्रमो से बोली लगाने से विवर्जित/ब्लेक लिस्टेड नहीं हो, से ई-टेन्डरिंग की प्रक्रिया द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की तिथियाँ, समय व अन्य शर्ते एवं निविदा में सम्पादित करवाये जाने वाले कार्यों की राशि एवं अन्य विस्तृत विवरण ग्राम पंचायत मुख्यालय में कार्यालय समय एवं राज्य लोक उपापन पोर्टल http:\\sppp.rajasthan.gov.in व http:\\eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल पर अवलोकन की जा सकती है।

NIB NO-ZBL2526A0089

UBN NO-ZBL2526WSOB00241

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत खेजड़ी, पं.स.हुरडा, जिला -भीलवाड़ा

प्रशासक, ग्राम पंचायत खेजड़ी, पं.स.हुरडा, जिला -भीलवाड़ा

कार्यालय ग्राम पंचायत अंराई पंचायत समिति अराई, अजमेर

क्रमांक: ग्रा.प.अ/2025-26/14 ई-निविदा सूचना संख्या 01/2025-26 दिनांक: 23/4/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत अंराई के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तीय वर्ष 2025-26 में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, गांवों की सड़क एवं नाली सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुक जी.एस.टी. पंजीकृत निविदादाताओं/फर्मो से निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। इच्छुक प्रतिष्ठानो से वार्षिक दर संविदा/दर अनुबन्ध करने हेतु निर्धारित प्रपत्र ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाइट www.rproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती है।

उपरोक्त निविदाएं वेब पोर्टल http:www.sppp.rajasthan.gov.in पर विस्तृत विवरण देखा जा सकता है। निविदाएं निविदा खोलने की दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेगी।

क्र. सं.	ग्राम पंचायत	NIB NO	UBN NO	TENDER Id
	अंराई	ZAJ2526A0048	ZAJ2526SLRC00048	2025_PRD_461541_1

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अराई पं.स.अराई, जिला अजमेर

प्रशासक, ग्राम पंचायत अराई पं.स.अराई, जिला अजमेर

कार्यालय ग्राम पंचायत भामोलाव पंचायत समिति अरांई,अजमेर

क्रमांक: ग्रा.प.भा/2025-26/06 ई-निविदा सूचना संख्या 01/2025-26 दिनांक: 23/4/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत भामोलाव के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तीय वर्ष 2025-26 में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, गांवों की सड़क एवं नाली सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुक जी.एस.टी. पंजीकृत निविदादाताओं/फर्मो से निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। इच्छुक प्रतिष्ठानो से वार्षिक दर संविदा/दर अनुबन्ध करने हेतु निर्धारित प्रपत्र ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाइट www.rproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती है।

उपरोक्त निविदाएं वेब पोर्टल http:www.sppp.rajasthan.gov.in पर विस्तृत विवरण देखा जा सकता है। निविदाएं निविदा खोलने की दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेगी।

क्र. सं.	ग्राम पंचायत	NIB NO	UBN NO	TENDER Id
	भामोलाव	ZAJ2526A0049	ZAJ2526SLRC00049	2025_PRD_461552_1

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत भामोलाव, पं.स.अराई, जिला अजमेर

प्रशासक, ग्राम पंचायत भामोलाव, पं.स.अराई, जिला अजमेर

यहां टॉस ने अहम भूमिका निभाई है। पहले गेंदबाजी करने वाली टीम को पिच से काफी मदद मिल रही है। लखनऊ में खैर ऐसा ही होता है, मैच आगे बढ़ने के साथ पिच बल्लेबाजी के लिए आसान होती जाती है।'' - ऋषभ पंत

एलएसजी के कप्तान, मैच के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

ड्वेन ब्रावो

पिछले सीजन बड़ी-बड़ी टीमों को हराकर खिताब जीतने वाली कोलकाता नाइट राइडर्स आईपीएल 2025 में काफी खराब प्रदर्शन कर रही है। टीम इस सीजन में अब तक 5 मुकाबला गंवा चुकी है। यहां तक पंजाब के खिलाफ टीम 112 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी थी। गुजरात के खिलाफ हार के बाद केकेआर के मेंटॉर ड्वेन ब्रावो ने बताया आखिर टीम क्यों हार रही है। ब्रावो ने गुजरात के खिलाफ मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि, आईपीएल एक कड़ा टूर्नामेंट है। जब आप अच्छी शुरुआत नहीं करते हैं कि बल्लेबाज ऐसे दोर में चले जाते हैं।

क्या आप जानते हैं ?... मिरोस्लाव क्लोस ने 16 विश्व कप गोल किए हैं 2022 में गोन्सालो रामोस ने सबसे तेज गोल किया।

मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराया

हैदराबाद, 23 अप्रैल। ट्रेंट बोल्ट (चार विकेट), दीपक चाहर (दो विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद रोहित शर्मा (70) और सूर्यकुमार यादव (नाबाद 40) रनों की बेहतरीन पारियों के दम पर मुम्बई इंडियंस ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 41वें मुकाबले में 26 गेंदे शेष रहते सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हरा दिया। मुम्बई इंडियंस की यह लगातार चौथी जीत है।

144 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुम्बई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने सलामी बल्लेबाज रायन रिकलटन (11) का विकेट दूसरे ही ओवर में गवां दिया।इसके बाद बल्लेबाजी करने आये विल जोक्स ने रोहित शर्मा के साथ दूसरे विकेट लिये 64 रन जोड़े। 10वें ओवर में जीशान अंसारी ने विल जोक्स (22) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद रोहित के साथ सूर्यकुमार यादव ने मोर्चा संभाला। 15वें ओवर में इशान मलिंगा ने रोहित शर्मा को अभिषेक के हाथों कैच आउट कराकर हैदराबाद के लिये तीसरा विकेट झटका।

रोहित शर्मा तब तक अपनी टीम को जीत के द्वार तक पहुंचा चुके थे। रोहित ने 46 गेंदों में आठ चौके और तीन छक्के लगाते हुए (70) रनों की पारी खेली। सूर्यकुमार यादव ने 19 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 40) रन बनाये। मुम्बई इंडियंस ने 15.4 ओवर में तीन विकेट पर 146 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया सनराइजर्स हैदराबाद के लिए इशान मलिंगा, जयदेव उनादकट और जीशान अंसारी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने एक के बाद एक 13 के स्कोर तक अपने शीर्ष चार विकेट गवां दिये। ट्रेंट बोल्ट ने दूसरे ही ओवर में ट्रैविस हेड को नमन धीर के हाथों कैच आउट कराकर मुम्बई इंडियंस को पहली सफलता दिलाई।

अगले ही ओवर में दीपक चाहर ने इशान किशन (एक) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। हैदराबाद का तीसरा विकेट अभिषेक शर्मा (आठ) के रूप में गिरा। चौथा विकेट नीतीश कुमार रेड्डी (दो) को दीपक चाहर ने आउट किया। इसके बाद हाइनरिक क्लासन और अनिकेत वर्मा ने पारी को संभालने का प्रयास किया। नौवें ओवर में हार्दिक पंड्या ने अनिकेत वर्मा (12) को आउटकर हैदराबाद को पांचवां झटका दिया।

19वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने हाइनरिक क्लासन को आउटकर अभिनव मनोहन के साथ उनकी 99 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी का अंत किया। हाइनरिक क्लासन ने 44 गेंदों में नौ चौके और दो छक्के लगाते हुए (71) रनों की पारी खेली। ट्रेंट बोल्ड ने 20 ओवर में अभिनव मनोहन को भी आउट कर मुम्बई के लिए सातवां विकेट लिया। अभिनव मनोहन ने 37 गेंदों में तीन छक्के और दो चौके लगाते हुए (43) रन बनाये। हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 143 रनों का स्कोर खड़ा किया।

मुम्बई इंडियंस की ओर से ट्रेंट बोल्ट ने चार और दीपक चाहर ने दो विकेट लिये। हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

जयदीप बिहाणी के खिलाफ एडहॉक सदस्यों ने खोला मोर्चा

जैसे तालिबान अफगानिस्तान को चलाता है, वैसे बियाणी ने एडहॉक कमेटी को चलाया : धनंजय

जयपुर, 23 अप्रैल। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में सियासी विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। बीजेपी विधायक और एडहॉक कमेटी के कन्वीनर जयदीप बिहाणी के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के बाद अब एडहॉक कमेटी के सदस्यों ने ही मोर्चा खोल दिया है। बुधवार को हेल्थ मिनिस्टर गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे और एडहॉक कमेटी के सदस्य धनंजय सिंह खींवसर ने कहा कि जयदीप बिहाणी के अमर्यादित व्यवहार और अनर्गल बयानों से हम सभी एडहॉक सदस्य स्तब्ध हैं। एडहॉक समिति के सभी सदस्य उनकी कथित टिप्पणियों की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। हम सब स्पष्ट करते हैं कि हम उनके बयानों से पूर्णत: असहमति रखते हैं।

खींवसर ने कहा कि जयदीप बिहाणी सिर्फ अपनी राजनीतिक रोटियां सीखने के लिए इस तरह के बेतुके बयान दे रहे हैं। सिर्फ पास के लिए वह बेवजह विवाद पैदा करना चाहते हैं। जयदीप बिहाणी ने तानाशाह की तरह काम किया है। जैसे तालिबान अफगानिस्तान को चलाता है, वैसे उन्होंने एडहॉक कमेटी को चलाया है। जब कभी एडहॉक कमेटी की मीटिंग होती थी। उसमें भी वह खुद की मनमर्जी कर और हम सब पर ऊंची आवाज में बात करते थे।

धनंजय ने कहा, जयदीप बिहाणी ने तानाशाह की तरह काम किया है। जैसे तालिबान अफगानिस्तान को चलाता है, वैसे उन्होंने एडहॉक कमेटी को चलाया है। जब कभी एडहॉक कमेटी की मीटिंग होती थी। उसमें भी वह खुद की मनमर्जी कर और हम सब पर ऊंची आवाज में बात करते थे। उन्होंने कहा कि मैं खेल मंत्री और मुख्यमंत्री जी से भी निवेदन करता हूं कि इस तरह के बयान देने पर जयदीप बिहाणी के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाए।

एडहॉक कमेटी के सदस्य धर्मवीर सिंह शेखावत ने कहा- हम सभी इंडियन प्रीमियर लीग में फिक्सिंग को लेकर दिए गए बयान के खिलाफ हैं। इसके साथ ही जो 10 लाख रुपए की बात उन्होंने कही वह भी पूरी तरह से गलत है। क्योंकि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन को संसाधन खरीदने से लेकर क्रिकेट गतिविधियों के संचालन के लिए बीसीसीआई द्वारा ही फंड दिया जा रहा है। लेकिन उन्होंने बिना हमसे पूछे न जाने कब 10 लाख रुपए मांगने के लिए चिट्ठी जारी कर दी।

अगर बियाणी को निजी टिप्पणी करनी है तो अपने सोशल मीडिया पर करें आरसीए मीडिया का उपयोग क्यों कर रहे है। एक महीने से किसी भी विवाद में हम पांचों सदस्य शामिल नहीं है। आज उचित समय आया है जब हम सबका मनोबल टूट चुका है। बियाणी सिर्फ अपनी राजनीति चमकाने के लिये ऐसे औछे आौप लगा रहे है। अगर उनके पास कोई सबूत है तो सबके सामने पेश करे।

आईपीएल में जीएसटी चोरी का आरोप

जयपुर, 23 अप्रैल। जयपुर नगर निगम ग्रेटर के नेता प्रतिपक्ष राजीव चौधरी और राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव गिरिराज खंडेलवाल ने आईपीएल में जीएसटी चोरी का आरोप लगाते हुए जांच व वसूली की मांग की है। इस बारे में जीएसटी आयुक्त सी के जैन को बाकायदा एक पत्र साथ में प्रूफ दिया है। उदाहरण के तौर पर बताया गया है कि पूरे परिसर में पार्किंग का काम जिसे दिया गया था, उसने कार के लिए 300 रूपए प्रति कार पार्किंग का शुल्क लिया और उस पर जो जीएसटी बनता है वह स्टेट ट्रेज़री तक पहुंचा भी नहीं। पार्किंग शुल्क रसीद की प्रति भी आयुक्त जीएसटी को दी गई है। यह आशंका भी जताई गई है कि यह तो एक छोटा उदाहरण मात्र है, अन्य अनेक ऐसी वस्तुओं की बिक्री व सेवाएं रही है, जिन पर जीएसटी स्टेट को मिला या नहीं यह जांच की जाये। उल्लेखनीय है कि आईपीएल के आयोजन का जिम्मा इस समय राजस्थान खेल परिषद के पास है और आयोजन में अनेक अनियमितताएं देखने को मिली हैं।

शतरंज की बिसात पर चला पहला दांव

अतीक, ईशान और अरिशा की शानदार जीत

जयपुर, 23 अप्रैल। आज से गुलाबी नगर में पाँच दिवसीय जयपुर ओपन क्लासिकल फिडे रेटेड चेस टूर्नामेंट 2025 के दूसरे संस्करण का शुभारम्भ जयपुर क्लब में हुआ। जेएचडब्लू (जयपुर हेल्थ एंड वैलनेस) के संस्थापक और सीईओ, हिम्मत सिंह ने बताया कि, वेव्स और जेएचडब्ल्यू के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता के पहले दौर में आज असम की श्रद्धा धर ने गुजरात के मकावाना वीरेंद्र सिंह को; जयपुर के विवान कपूर ने दिल्ली के ए.के.कलसियन को; यूपी के वाईके श्रीवास्तव को जयपुर के आरव गुप्ता ड्रा पर रोका और बिहार के ईशान सतवत ने जयपुर के पी.आर.हर्ष को, जयपुर की अरिशा अग्रवाल ने राजस्थान के जालप इंद्राज को तथा जयपुर के ही अन- रेटेड अतीक कुमावत ने कोटा के रेटेड मुकेश मंडलोई को हराया। आयोजन सचिव, जयेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि, टूर्नामेंट का उदघाटन बलविंदर सिंह वालिया, फैसिलिटी डायरेक्टर, नारायणा हॉस्पिटल; राहुल पचोरी, केयर हेल्थ इंश्योरेंस के रीजनल हैड; को-फाउंडर जेएचडब्ल्यू, भूपेंद्र सिंह और आर.के व्यास; रॉयल जयपुर चेस क्लब के रवि बजाज; मध्य प्रदेश से कैट के जोनल हेड, भूपेंद्र जैन; फाउंडर, फूड फॉर नीडी, उदित चतुर्वेदी; अध्यक्ष, जयपुर क्लब, मनोज बिड़ला; आनरेरी सेक्रेटरी, विशाल कौशल; कोषाध्यक्ष, पवन पाराशर; स्वर्ण सिंह खनूजा; डॉ भरत ग्रोवर; संजय मदान; सदस्य कार्यकारी समिति, वेव्स से अमरीश जोशी एवं ज्योति चतुर्वेदी, सेक्रेटरी अशोक भार्गव और नई दिल्ली से परवेंद्र मणि वर्मा द्वारा किया गया। इस संस्करण में लगभग 500 खिलाड़ी 4 से 84 साल के 20 राज्यों के 250 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रेटेड खिलाडी भाग ले रहे हैं।

सऊदी अरब में भारत का नाम रोशन करने वाली जयपुर की लक्षिता का स्कूल में सम्मान

जयपुर, 23 अप्रैल। दक्षिण एशिया चैंपियनशिप के अंडर-18 श्रेणी में डिस्कस थ्रो प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने वाली जयपुर की छात्रा लक्षिता मेहलावत का विद्यालय परिसर में स्वागत कर सम्मान किया गया। इस दौरान स्कूल की चेयरपर्सन, डॉ. जयश्री पेरीवाल और प्रधानाचार्या, मधु मैनी ने लक्षिता को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। वे जयपुर के जयश्री पेरीवाल हाई स्कूल की कक्षा 12वीं की छात्रा हैं। गौरतलब है कि यह चैंपियनशिप हाल ही में सऊदी अरब में आयोजित हुई थी, जिसमें लक्षिता ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

लक्षिता ने इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व कर विद्यालय, परिवार और देश का नाम गौरवान्वित किया। इस अवसर पर स्कूल की चेयरपर्सन, डॉ. जयश्री पेरीवाल ने कहा, यह हम सभी के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। लक्षिता ने यह सिद्ध कर दिया है कि कठिन परिश्रम, समर्पण

और सही मार्गदर्शन से कोई भी सपना असंभव नहीं होता। जयश्री पेरीवाल हाई स्कूल हमेशा से अपने छात्रों को वैश्विक मंच पर चमकने के लिए प्रेरित करता आया है और आगे भी करता रहेगा। इस उपलब्धि पर स्कूल परिवार लक्षिता को हार्दिक बधाई देता है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।'' इस उपलब्धि पर छात्रा लक्षिता ने कहा कि यह सब उनके स्कूल के समर्थन की वजह से संभव हो पाया। अब उनके जैसी कई युवा लड़कियां सीमाओं से परे सपने देखने की हिम्मत कर सकती हैं।

आरआर बनाम एमआई 1 मई को आईपीएल के आधिकारिक पिंक प्रोमिस मैच के रूप में घोषित

जयपुर, 23 अप्रैल। राजस्थान रॉयल्स ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि 1 मई 2025 को सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में मुंबई इंडियंस के खिलाफ उनका रोमांचक मुकाबला आईपीएल 2025 का पिंक प्रोमिस मैच होगा। एक ऐसा प्रमुख मुकाबला जो ग्रामीण राजस्थान में महिलाओं के नेतृत्व में परिवर्तन के लिए फ्रेंचाइज़ी की स्थायी प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

पिछले साल की सफलता की गति को आगे बढ़ाते हुए, रॉयल्स एक बार फिर उद्देश्य के साथ मैदान में उतरेंगे, एक स्पेशल ऑल-पिंक जर्सी पहनेंगे जो महिला परिवर्तनकर्ताओं के साथ एकजुटता का प्रतीक है। लेकिन यह पहल इससे कहीं आगे जाती है। यह इस बात का प्रमाण है कि कैसे क्रिकेट सीमा से परे बदलाव ला सकता है। इस साल, एक बार फिर हमारी चल रही प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, मैच के दौरान लगाए गए हर छक्के से सांभर क्षेत्र के छह घर सौर ऊर्जा से रोशन होंगे।

बदलाव लाने के अपने संकल्प को आगे बढ़ाते हुए, फ्रेंचाइज़ी ने घोषणा की है कि 1 मई के मैच के लिए बेचे गए हर टिकट से 100 ग्रामीण राजस्थान में महिलाओं को सतत विकास के माध्यम से सशक्त बनाने वाली परियोजनाओं के लिए निर्देशित किए जाएँगे। इसके अलावा, विशेष रूप से डिज़ाइन की गई पिंक प्रॉमिस जर्सी की बिक्री से होने वाली सभी आय को के चल रहे सामाजिक विकास कार्यक्रमों में योगदान दिया जाएगा, जिससे क्रिकेट की भावना को वास्तविक दुनिया में बदलाव के उत्प्रेरक में बदलने के रॉयल्स के मिशन को बल मिलेगा।

2024 में, पिंक प्रॉमिस अभियान ने 260 घरों को सौर ऊर्जा से रोशन किया, जो सांभर ब्लॉक की महिलाओं द्वारा किए गए इंस्टॉलेशन से संचालित है जिन्हें राजस्थान रॉयल्स की सीएसआर शाखा रॉयल राजस्थान फाउंडेशन (आरआरएफ) के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है। इनमें से कई महिलाएं अपने समुदायों में पहली प्रमाणित सौर इंजीनियर बन गई, जिससे अवसर और सशक्तिकरण का आंदोलन शुरू हो गया। पिंक प्रॉमिस मैच सामाज को बेहतर बनाने के लिए क्रिकेट की शक्ति का उपयोग करने के टीम के स्थायी मिशन को दर्शाता है। मैच के टिकट राजस्थान रॉयल्स की वेबसाइट और बुकमाईशो पर उपलब्ध हैं।

धनंजय अध्यक्ष, अरिष्ठ सचिव व भाटी कोषाध्यक्ष निर्वाचित

जोधपुर, 23 अप्रैल। जिला क्रिकेट संघ जोधपुर की नई कार्यकारिणी का गठन संपन्न हो गया है। सेवानिवृत्त कार्यकारी अभियंता रमेश मेहता की देखरेख में हुए चुनावों में धनंजय सिंह अध्यक्ष, अरिष्ठ सिंघवी सचिव व भुपेन्द्र सिंह भाटी कोषाध्यक्ष निर्वाचित। चुनाव प्रक्रिया राजस्थान खेल (पंजीकरण, मान्यता और एसोसिएशन का विनियमन) अधिनियम 2005 एवं संबंधित उपविधियों के अंतर्गत संपन्न हुई। रमेश मेहता ने चुनाव अधिकारी के रूप में कार्य किया। आरसीए के पर्यवेक्षक के रूप मे धर्मवीर सिंह शेखावत व भरतलाल खेल अधिकारी मौजूद रहे। चुने गए अन्य प्रमुख पदाधिकारियों में त्रिभुवन सिंह भाटी, राजू सिंह, निरंजन सिंह राठौड़ मोइन खान उपाध्यक्ष चुने गए।

RAJASTHAN HOUSING BOARD

No. :- 46 Dated :- 23/04/2025

NIB 01/2025-26

Bid for 1. Construction of Boundry Wall for RHB Land at Jalore 2. Construction of Road Work for RHB Land at Jalore are invited from interested bidders from 25.04.2025 to 05.05.2025 upto 06:00 PM. Other particulars of Bids are available on the procurement portal **(https://eproc.rajasthan.gov.in & sppp.rajasthan.gov.in)** of the State and RHB's website **www.urban.rajasthan.gov.in/rhb.**

UBN No. :- RHB2526WSOB00033 & RHB2526WSOB00034

Raj.Samwad/C/25/1199 Resident Engineer, Div.-I, Jodhpur

Office Of Superintending Engineer PHED Circle Jhalawar (Rajasthan)

NOTICE INVITING Bid No. 01/2025-26 Item No. 2

Bids for Annual Rate Contract for Providing, Laying, Jointing, testing and commissioning of pipe line & allied works at various schemes under jurisdiction of Division Bhawani Mandi, DISTT. JHALAWAR are invited from interested bidders upto 24.04.2025, 18.00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the www.dipr.rajasthan.gov.in, http://rajwater.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in. Departmental websites.

NIB No. PHE2526A0373

UBN No. PHE2526WSOB00948

DIPR/C/5237/2025 Superintending Engineer PHED Circle Jhalawar

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :- जोविप्रा/2025-26/EE HQ/228 दिनांक :- 22/04/2025

ई.ओ.आई सूचना संख्या - मुख्यालय - 05/2025-26

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण क्षेत्राधिकार में विभिन्न कार्यो हेतु ई.ओ.आई में निर्धारित शर्तो को पूर्ण करने वालों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से ऑनलाईन ई.ओ.आई आमंत्रित की जाती है। इन कार्य की अनुमानित लागत, ई.ओ.आई बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, ई.ओ.आई, शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in** एवं **www.sppp.raj.nic.in** पर देखी जा सकती है।

UBN No. : JOD2526SSOB00030

राज.संवाद/सी/25/1129 अधिशाषी अभियंता

Office Of Superintending Engineer PHED Circle Jhalawar (Rajasthan)

NOTICE INVITING Bid No. 01/2025-26 Item No. 1

Bids for Annual Rate Contract for Providing, Laying, Jointing, testing and commissioning of pipe line & allied works at various schemes under jurisdiction of Division JHALAWAR, DISTT. JHALAWAR are invited from interested bidders upto 24.04.2025, 18.00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the www.dipr.rajasthan.gov.in, http://rajwater.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in. Departmental websites.

NIB No. PHE2526A0370

UBN No. PHE2526WSOB00945

DIPR/C/5236/2025 Superintending Engineer PHED Circle Jhalawar

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

टाउनहॉल लिंक रोड उदयपुर (राज.) 313001

दूरभाष स.0294-2414165, 2421255, 2420013 Helpline no. 0294 2426262 ई.मेल commudr@gmail.com, garage.umc21@gmail.com

क्रमांकः- गैराज/ननिउ/2025-26/77 दिनांकः- 22.04.2025

(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 02/2025-26

नगर निगम उदयपुर के विभिन्न वाहनो हेतु टायर, ट्यूब व फ्लेप क्रय (Supply) कार्य वार्षिक दर संविदा हेतु ई- प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से ऑन लाईन निविदा 04.05.2025 तक आमंत्रित की जाती है। बीड से संबंधित विवरण इंटरनेट साईट www.sppp.raj.nic.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा की प्रारम्भ दिनांक 23.04.2025 तथा खुलने की दिनांक 05.05.2025 एवं अनुमानित लागत 40.00 लाख रू. है।

UBN no. UNP2526GLRC00012

अधिशाषी अभियन्ता (यांत्रिक) नगर निगम उदयपुर — आयुक्त नगर निगम उदयपुर

राज.संवाद/सी/25/1192

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा.अभि.विभाग, खण्ड जमवारामगढ़, जयपुर

फोन : 9351903907, Email: cephedjmr@gmail.com

क्रमांक : 24-35 दिनांक-07/4/2025

निविदा सूचना संख्या 01/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड जमवारामगढ जिला जयपुर के अधीन निविदा सूचना संख्या 01/2025-26 का राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को ई-प्रोक्यूमेन्ट के माध्यम से निविदायें आमंत्रित की जाती है।
उक्त सभी निविदाओं से संबंधित विस्तृत विवरण वैबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.dipr.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। उपरोक्त निविदाओं का प्रकाशन sppp.rajasthan.gov.in निम्नानुसार कर दिया गया है:-

क्र.सं.	निविदा संख्या	आई.डी. नम्बर	अपलोड की दिनांक
01	01/2025-26	UBNPHE2526WSOB00721	09/04/2025

DIPR/C/5208/2025 (अमित कुमार सुरेला) अधिशाषी अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग खण्ड जमवारामगढ, जयपुर

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

संभागीय मुख्य अभियन्ता (जो.जो.), नया पावर हाउस रोड़, जोधपुर -342003, दूरभाषः- (0291)2651201

अल्पकालिक ई-निविदा सूचना

TNJDZ-29) "ए) उतरादी जाटो की ढाणी और सजनानियों की ढाणी में नए 33/11 केवी सब स्टेशन का निर्माण (बी) उतरादी जाटो की ढाणी और सजनानियों की ढाणी में नए कनेक्शन के लिए सिंगल सर्किट (18.5 किमी) पर 33 केवी लाइन का निर्माण (सी) 11 केवी इंटर कनेक्शन का निर्माण (8.1 किमी) ओएंडएम, सब-डिवीजन आउ के तहत 33/11 केवी जीएसएस उतराडी जाटो की ढाणी और सजनाणियों की ढाणी श्रम दर के आधार पर -2022"।

(UBN No. JVV2526WSOB00015)

अन्य विवरण जैसे निविदा मुल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने / खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट **www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl** एवं **www.eproc.rajasthan.gov.in** द्वारा जानी जा सकती है। निविदाकर्ताओं को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है की ऑनलाईन पर निविदा डालने से पहले निविदा दस्तावेजों का सावधानी पूर्वक अध्ययन कर ले।

सुचारू भविष्य में इन निविदाओं से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन तिथि बढने की जानकारी आदि केवल वेबसाईट **www.eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in, energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl** पर उपलब्ध करायी जायेगी।

राज.संवाद/सी/25/1119 संभागीय मुख्य अभियन्ता (जो.जो.)

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

संभागीय मुख्य अभियन्ता (जो.जो.), नया पावर हाउस रोड़, जोधपुर -342003, दूरभाषः- (0291)2651201

अल्पकालिक ई-निविदा सूचना

TNJDZ-31 " ए) पन्ना नगर और कनासर में नए सब स्टेशन के कनेक्शन के लिए 33 केवी लाइन का निर्माण (बी) पन्ना नगर और कनासर में नए 33/11 केवी सब स्टेशन का निर्माण (सी) ओ एंड एम, सब-डिवीजन बीएपी के तहत 33/11 केवी जीएसएस पन्ना नगर और कनासर से 11 केवी इंटर कनेक्शन का निर्माण श्रम दर के आधार पर-2022"

(UBN No. : JVV2526WSOB00024)

अन्य विवरण जैसे निविदा मुल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने / खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट **www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl** एवं **www.eproc.rajasthan.gov.in** द्वारा जानी जा सकती है। निविदाकर्ताओं को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है की ऑनलाईन पर निविदा डालने से पहले निविदा दस्तावेजों का सावधानी पूर्वक अध्ययन कर ले।

सुचारू भविष्य में इन निविदाओं से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन तिथि बढने की जानकारी आदि केवल वेबसाईट **www.eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in, energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl** पर उपलब्ध करायी जायेगी।

राज.संवाद/सी/25/1117 संभागीय मुख्य अभियन्ता (जो.जो.)

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा0 अभि0 विभाग, खण्ड बाडी

NIB No.: 01-04/2025-26 **निविदा सूचना** Date: 12.04.2025

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से पी.डब्लू.एफ. एण्ड.ए.आर पार्टना अपेण्डिक्स 16 दिनांक 01.07.1999 से लागू एवं समय-समय पर वित्त विभाग द्वारा जारी संशोधित परिपत्रो (आज तक) के अनुरूप विभाग में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको / सप्लायर्स एवं निविदा प्रपत्र में वांछित योग्यता रखतें हो, से इस कार्यालय की निविदा सं0 01-04 के लिये मौहर बंद निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा संख्या 03-04/2025-26 के निविदा प्रपत्र https://eproc.rajasthan.gov.in/ से दिनांक 23.04.2025 को 06.00 पी.एम. तक डाउनलोड किए जा कर दिनांक 23.04.2025 को 06.00 पी.एम. तक ऑनलाइन जमा किए जाकर दिनांक 24.04.2025 को 12.00 पी.एम. पर टैक्नीकल बिड (तकनीकी बोली) खोली जावेगी। निविदा संख्या 01-02 के निविदा प्रपत्र इस कार्यालय में दिनांक 23.04.2025 को 05.00 पी.एम. तक विक्रय किये जाकर दिनांक 24.04.2025 को 12.00 पी.एम. तक भरे हुये निविदा प्रपत्र इस कार्यालय में प्राप्त कर दिनांक 24.04.2025 को 02.00 पी.एम. पर उपस्थित निविदा-दाताओं के समक्ष खोली जावेगी निविदा प्राप्त करने हेतु निर्धारित मनी ऑर्डर / डिमाण्ड ड्राफ्ट निम्न हस्ताक्षरकर्ता के नाम भिजवाकर या नकद जमा कराकर प्राप्त की जा सकती है।

NIT No.	Name of work	Estimated Cost (Rs. (in Lacs)	Earnest Money in Rs.		MD RISL (in Rs.)	Tender Fee (in Rs.)	Period for completion
			2%	0.05%			
NIT 01/ 25-26	PROVIDING LAYING AND JOINTING OF DISTRIBUTION PIPELINE AT TEHSIL ROAD & SHIV COLONY SARMATHURA UNDER SUB DIV BASERI	4.48	8980	2245	-	500.00	30 DAYS
NIT 02/ 25-26	Replacement of Submersible Pump set in Rural area Of Sub Division Baseri	3.56	7120	1780	-	400.00	30 DAYS
NIT 03/ 25-26	Replacement of Centrifugal Pump set in existing Pump House and pannel board in Pump House Tontri Mode and Six nos. Pump set for tws and Six Nos. Starter pannel for tws under uwss bari Sub Division Bari	11.90	23814	5954	500	500.00	30 DAYS
NIT 04/ 25-26	Distribution Main pipeline laying and jointing at Gastipura, Dolren pura, Nagden (NAGARPALIKA SARMATHURA) under uwss Sarmathura, Sub Division Baseri	27.66	55328	13832	500	1000.00	30 DAYS
NIB No.:	PHE2526A0391						
UBN:	PHE2526WSOB00984, PHE2526WSOB00985, PHE2526WSOB00986, PHE2526WSOB00987,						

Note: 1. If Holiday is declared on submission and/or opening date of tender the scheduled activity will take place on next working day/If Procuring entity is not present on the submission and opening date of tender the scheduled activity will take place on day on which procuriing entity (HOO) is present.

नोटः- निविदा से संबंधित नियम एवं शर्ते, आदि कार्यालय समय में देखी जा सकती है।

DIPR/C/5278/2025 (Deshraj Sing Gurjar) Executive Engineer, PHED Division Bari

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग, वृत बारां

क्रमांक :- अअ/वृत/बारां/2024-25/159 दिनांकः 11/04/2025

निविदा सूचना संख्याः 01/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार/कार्य के ठेकेदार तथा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक, दूरसंचार, रेल्वे, सेना अभियांत्रिकी सेवा, अन्य राज्य सरकारों / केन्द्रीय सरकार के उपक्रमों/संगठनों के पास सूचीबद्ध ठेकेदार, जो कि राजस्थान सरकार के "एए" श्रेणी के समतुल्य है भी कार्यों के लिये निविदा हेतु नियमानुसार विहित अठिाम धनराशि देने के पश्चात निविदा हेतु पात्र होंगे, से निर्धारित प्रपत्रो में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है।
निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in से दिनांक 12.04.2025 प्रातः 10:00 बजे से डाउनलोड किये जा सकते है। ऑनलाईन निविदाएँ इसी वेबसाईट पर इच्छुक संवेदकों द्वारा दिनांक 12.04.2025 से 24.04.2025 सांय 18:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। वेबसाईट पर दिनांक 25.04.2025 को इस कार्यालय में दोपहर 15:00 बजे निविदा खोली जावेगी। यदि किसी कारणवश उस दिन अवकाश रहता है तो उसके अगले दिन कार्यदिवस को उसी समय पर निविदा खोली जावेगी। निविदा शुल्क/प्रक्रिया शुल्क / धरोहर राशि निविदादाता द्वारा ईठास के माध्यम से चालान की प्रति इस कार्यालय में 25.04.2025 को दोपहर 1:00 बजे तक जमा करवाना होगा। विभाग में पजिकृत स्थाई संवेदक/फर्म का पुनरावलोकन जीवित नहीं होने की स्थिति में निविदा मान्य नहीं होगी।
उक्त निविदा एसपीपी पोर्टल पर प्रकाशित की जा चुकी है। निम्नलिखित वेबसाईट पर देखे जा सकते है :-निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण **1. http://www.eproc.rajasthan.gov.in, 2. http://sppp.rajasthan.gov.in**

निविदा संख्या	कार्य का विवरण	अनुमानित राशि (लाखों मे)	धरोहर राशि		निविदा/प्रक्रिया शुल्क (रूपये मे)		कार्य पूर्ण करने की अवधि
			2%	0.50%	Tender Fees	RISL Fees	
01/ 2025-26	Annual Rate Contract for Providing, Laying, Jointing, testing and commissioning of pipe line & allied works at various schemes under jurisdiction of Division BARAN, DISTT. BARAN **UBN No.: PHE2526WSRC00934**	115.00	230000/-	57500/-	5000/-	2000/-	12 माह

जल ही जीवन है''

DIPR/C/5218/2025 (आलोक कुमार गुप्ता) अधीक्षण अभियंता जनस्वा.अभि. विभाग, वृत्त बारां

'पहलगाम की छाया में प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था पर सतत निगरानी रखें'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने सभी संभागों व जिलों के प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रैंस में निर्देश दिये

जयपुर, 23 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मद्देनजर प्रदेश में सभी जगह माकूल सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा, जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक विशेष सतर्कता बरतते हुए अपने जिलों में कानून-व्यवस्था पर सतत निगरानी बनाए रखें।

शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभागीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस आयुक्त, जिला कलक्टर एवं जिला पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक कर प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने प्रदेश के अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगते जिलों में विशेष सजगता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि सीमा पर तैनात सुरक्षा एजेंसियों के साथ निरंतर तालमेल बनाते हुए काम करें।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि छोटी से छोटी घटना और सूचना को गम्भीरता से लिया जाए तथा तत्काल उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जाए।

- मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगते जिलों में विशेष सजगता बरतने व सीमा पर तैनात सुरक्षा एजेंसियों के साथ निरन्तर तालमेल रखने के लिये कहा।
- मुख्यमंत्री भजनलाल ने सोशल मीडिया पर गहन निगरानी रखने तथा भ्रामक व आपत्तिजनक टिप्पणियों व अफवाह फैलाने वालों पर सख्ती बरतने के निर्देश दिये।

शर्मा ने सोशल मीडिया पर गहन निगरानी के निर्देश देते हुए कहा कि भ्रामक एवं आपत्तिजनक टिप्पणियों तथा अफवाह फैलाने वालों पर सख्ती बरती जाए। साथ ही, सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से सही सूचना प्रसारित की जाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनज़र, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभागीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस आयुक्त, जिला कलक्टर एवं जिला पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक कर प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमला निंदनीय एवं कायरतापूर्ण घटना है तथा इससे पूरा देश स्तब्ध है। इस जघन्य हमले को अंजाम देने वाला कोई भी आतंकी सुरक्षा बलों से बच नहीं पाएगा। मुख्यमंत्री ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिवारजनों को इस दु:ख को सहने के लिए शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की तथा हादसे में जान गंवाने वाले जयपुर निवासी स्व. नीरज उदवानी के परिजनों से दूरभाष पर वार्ता कर संवेदनाएं व्यक्त की।

पहलगाम के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किसी स्थानीय की मदद मिली थी। सूत्रों के मुताबिक, आतंकवादी किश्तवाड़ से कोकरनाग होते हुए बैसारन पहुंचे, जिसमें स्थानीय आतंकवादी या हैंडलर ने मदद की। पुलिस ने कई स्थानीय लोगों से पूछताछ की है, लेकिन अब तक कोई औपचारिक गिरफ्तारी नहीं हुई है।

सुप्रीम कोर्ट ने पहलगाम पीड़ितों के लिये दो मिनट मौन रखा

नयी दिल्ली, 23 अप्रैल। उच्चतम न्यायालय ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले पर बुधवार को दुख व्यक्त किया और इसकी कड़ी निंदा की। शीर्ष अदालत के न्यायाधीशों, वकीलों और अन्य कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर पीड़ितों को अपनी श्रद्धांजलि दी। पूर्ण न्यायालय की बैठक में सर्वसम्मति से आतंकवादी कृत्य की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। शीर्ष अदालत ने एक बयान जारी कर कहा, सर्वोच्च न्यायालय उन निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता है, जिनकी बेरहमी से और समय से पहले हत्या कर दी गई। साथ ही शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना भी व्यक्त करता है।

'कश्मीर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को पहलगाम हमले की बर्बरता की जानकारी देगा। पी 5 देशों में चीन, फ्रांस, रूस, इंग्लैंड तथा अमेरिका शामिल हैं।

भारत सरकार अन्य कूटनीतिक उपायों पर भी विचार कर रही है, जिसमें नई दिल्ली और इस्लामाबाद में कूटनीतिक उपस्थिति कम किये जाने का निर्णय भी शामिल है।

पहलगाम हमले से एनडीए सरकार के इस प्रचार-प्रसार को बहुत नुकसान पहुँचा है कि अनुच्छेद 370 समाप्त करने के 2019 के निर्णय के बाद कश्मीर घाटी में शांति पुन: कायम हो गई है।

भारत ने पाकिस्तान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बदलने के लिए बांध, नहर और टनल्स बनानी होंगी, जिसमें भारी खर्चा होगा और इनका तुरंत क्रियान्वयन भी संभव नहीं है और इस देरी से पाकिस्तान को समय मिल जाएगा और वह इस मसले को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर ले जा सकता है जिससे भारत का कूटनीतिक गणित गड़बड़ा सकता है।

साथ ही यह कदम विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों की आलोचना को आमंत्रित कर सकता है और शायद इसका वह प्रभाव ना हो जिसकी उम्मीद है।

पाकिस्तान की कृषि व खाद्य सुरक्षा सिंधु नदी पर निर्भर है और पाकिस्तान सिंधु नदी का जल प्रवाह बदलने को लेकर बेहद संवेदनशील है। यदि इस संधि की शर्तों को बदलने की धमकी का इस्तेमाल अकलमंदी से किया जाए तो इसका दीर्घकालिक दबाव डाला जा सकता है।

लेकिन यह मनोवैज्ञानिक दबाव अनपेक्षित विवाद पैदा कर सकता है। इस्लामाबाद इसे अस्तित्व के लिए खतरा बता सकता है, जिस पर तीखी सैन्य व राजनयिक प्रतिक्रिया संभव है। पहले से ही अस्थिर उपमहाद्वीपीय में इस तरह की नीति को सावधानी से हैंडल करने की जरूरत है।

विशेषज्ञों के अनुसार, तुरंत एक बड़ा निर्णय करने की बजाय आई.डब्ल्यु.टी. को दीर्घकालिक रणनीति के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत के पास ज्यादा प्रभावी तात्कालिक उपाय है।

जैसे कूटनीतिक अभियान चलाकर पाकिस्तान को अलग-थलग करना, टैरर फंडिग को रोकने के लिए फाइनैंशियल एक्शन टास्क फोर्स को एक्टिव करना और सटीक खुफिया सूचना के आधार पर लक्ष्य साधकर हमले करना।

अगर संधि को रिव्यू भी करना हो तो उसे बदले के तौर पर नहीं बल्कि अप्रत्यक्ष हमलों द्वारा शांति के लगातार उल्लंघन के कारण पुनर्विचार के रूप में पेश करना होगा इसके लिए भारत को ना केवल कानूनी रूप से बल्कि नैतिक रूप से मजबूत केस बनाना होगा कि संधि से वे उद्देश्य प्राप्त क्यों नहीं हो रहे, जिनके लिए यह बनाई गई थी।

आई.डब्ल्यू.टी. को निलम्बित करना शायद जनभावना के अनुरूप कड़ा कदम हो, पर सामरिक दृष्टिकोण से यह सीमित लाभ किन्तु दीर्घकालिक खतरों से भरा है और अगर इसमें सोच समझकर रणनीति नहीं बनाई गई तो यह कदम नुकसान दे हो सकता है। नाटकीय प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि धैर्य, बहुकोणीय प्रतिक्रिया ही भारत के दूरगामी सामरिक हित और अंतर्राष्ट्रीय छवि के अनुरूप होगी।

पहलगाम हमले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चीन के बीच बढ़ता सैन्य सहयोग भी एक और गंभीर चिंता का विषय बन गया है।

संयुक्त सैन्य अभ्यास, खुफिया जानकारी साझा करने की व्यवस्था, और सामरिक हितों की समानता, ये सब इस बात की आशंका बढ़ाते हैं कि यह गठबंधन भारत में प्रॉक्सी आतंकवाद को बढ़ावा दे सकता है, जिससे क्षेत्रीय संघर्ष और गहरा हो सकता है।

ऐसे समय में, जब देश मासूम लोगों की मौत का शोक मना रहा है, केन्द्र सरकार पर यह दबाव बढ़ता जा रहा है कि वह इन अहम सवालों के जवाब दे।पहलगाम हमले के पीछे कौन था? आतंकवादी इतनी भारी मात्रा में हथियारों को चुपचाप क्षेत्र में कैसे ला पाए? हमले से पहले हफ्तों तक खुफिया एजेंसियां क्या कर रही थीं?

घटना के बाद, पहलगाम और उसके आस-पास बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें राष्ट्रीय जांच एजेंसी (नैशनल इन्वैस्टिगेशन एजेंसी) और सेना की टीमें हमलावरों की तलाश कर रही हैं।

'आतंकवाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हो ही रही है। यही वह समय है, जब पर्यटक इस क्षेत्र में घूमने जाते हैं। पर्यटन जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था तथा वहाँ की जनता की आमदनी का सबसे बड़ा स्रोत है। इस घटना से, इस साल की अर्थव्यवस्था चौपट हो गई है। इस समय भारत सरकार को उनकी मदद करनी चाहिये। इस घड़ी में, हम सब एक हैं। हम आतंकियों के खिलाफ एक रहेंगे।" इसके साथ ही, कांग्रेस अध्यक्ष ने आगामी सप्ताहो में शुरु होने जा रही अमरनाथ यात्रा के लिये कड़ी सुरक्षा व्यवस्था किये जाने पर भी जोर दिया। सरकारी सूत्रों के हवाले से पता चला है कि केन्द्र सरकार गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुला सकती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

भारत को पाकिस्तान के खिलाफ दुनिया भर से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थिति, बढ़ती आय, जनकल्याण और आर्थिक विकास के पूरे दौर को एक झटके में तोड़ दिया है। पूरी प्रक्रिया एक ही प्रहार में रोक दी गई है।

अब बड़ा सवाल यह है कि यह हमला किस हद तक "नॉन स्टेट एजेन्ट्स" द्वारा किया गया है या इसके पीछे राज्य का समर्थन है। पहलगाम हमले में, कई मामलों में गाज़ा में इज़रायली नागरिकों पर हमास के हमले जैसी समानताएं हैं। अगर ऐसा है, तो क्या इसके परिणाम भी गाज़ा जैसे हो सकते हैं?

जो सामने आया है, वह यह है कि आतंकवादियों ने हिंदुओं को निशाना बनाकर मारा। उन्होंने सुनियोजित तरीके से निर्दोष पर्यटकों को कश्मीर घाटी में मार डाला। जैसे ही यह खबर फैली, पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी हो गई।

जिस तरह से आतंकवादियों ने घाटी में इतनी गहराई तक घुसपैठ करके पर्यटकों की खुलेआम हत्या की है, उससे हमारी खुफिया और सुरक्षा व्यवस्था की खामियाँ उजागर होती हैं। इतना सटीक और सफल हमला, पाकिस्तान सेना के आईएसआई नेटवर्क की विस्तृत मदद के बिना संभव नहीं लगता।

पाकिस्तान को भी इसके नतीजों की चिंता है। उसने कथित रुप से स्वयं को निर्दोष बताते हुए इसे पाकिस्तानी राज्य से असंबंधित घटना बताया है।

पिछली घुसपैठों की तरह, इस बार भी मामले को गंभीरता से लिया गया है। कैबिनेट सुरक्षा समिति की बैठक हुई। समिति को घटना की विस्तार से जानकारी दी गई। पच्चीस भारतीय और एक नेपाली नागरिक मारे गए। आधिकारिक प्रतिक्रिया बेहद संयमित रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्युरिटी (सीसीएस) की बैठक हुई। बैठक ढाई घंटे तक चली, जिसमें केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल व कई प्रमुख अफसरों ने शिरकत की।

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने सीसीएस की मीटिंग के फैसलों के बारे में मीडिया को जानकारी दी।

कूटनीतिक कार्रवाइयों के बावजूद, भारत ने सैन्य विकल्प को खुला रखा है। ब्रीफिंग में हमले को स्पष्ट रुप से पड़ोसी देश से जोड़कर देखा गया, जिसके बारे में माना जा रहा है कि, पाकिस्तान के संगठित मंचों द्वारा यह संचालित हुआ है। कई कदमों की घोषणा की गई है। सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। पाकिस्तान के दूतावास में अब केवल 30 लोग रहेंगे।

यह एक रणनीतिक कदम है। इससे पाकिस्तान को गहरे संकट का सामना करना पड़ेगा। सिंधु नदी जल संधि रद्द होने के साथ ही, 'रन ऑफ द रिवर्स' परियोजनाओं की बैठकें रद्द कर दी गई हैं। अब भारत इन नदियों के जल का प्रबंधन अपने अनुसार करेगा।

पाकिस्तानी रक्षा, नौसेना और वायुसेना के अटैचियों को रद्द कर दिया गया है। दोनों देशों के बीच सभी प्रकार की आवाजाही बंद कर दी गई है। पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दे दिया गया है।

भारत ने यह ठान लिया है कि हमलावरों को सजा दी जाएगी और आगे की कार्यवाही के संकेत नहीं दिए गए हैं।

भारत निश्चित रुप से प्रतिक्रिया देगा, लेकिन सवाल यह है कि क्या दुनिया उस समय भारत के साथ खड़ी होगी, जब वह पाकिस्तान के खिलाफ कोई कदम उठाएगा?

एकमात्र जटिलता यह है कि दोनों देश परमाणु शक्ति संपन्न हैं और दुनिया एक परमाणु टकराव की साक्षी नहीं बनना चाहती।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908